Downloaded from www.studiestoday.com



## अंक विभाजन F.A.1 - F.A.4

**F.A.**-1

| | | |
|---|---|---|
| बहुवैकल्पिक परीक्षा | - | 30 |
| श्रुतलेख | - | 05 |
| ग्रीष्मावकाश गृहकार्य | - | 15 |
| | | 50 |

**F.A.**-2

| | | |
|---|---|---|
| लिखित परीक्षा | - | 30 |
| बहुवैकल्पिक परीक्षा | - | 10 |
| क्रियाकलाप | - | 10 |
| | | 50 |

**F.A.**-3

| | | |
|---|---|---|
| लिखित परीक्षा | - | 30 |
| बहुवैकल्पिक परीक्षा | - | 10 |
| क्रियाकलाप | - | 10 |
| | | 50 |

**F.A.**-4

| | | |
|---|---|---|
| बहुवैकल्पिक परीक्षा | - | 25 |
| श्रुतलेख | - | 05 |
| नाट्य मंचन | - | 10 |
| उत्तर पुस्तिकाएँ | - | 05 |
| कविता वचन | - | 05 |
| | | 50 |



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



## वर्तनी के अनुसार शब्द लेख

| | पुरानी विधि | नई विधि | | पुरानी विधि | नई विधि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | विद्यालय | विद्यालय | 11. | विह्वल | विह्वल |
| 2. | विद्यार्थी | विद्यार्थी | 12. | चिह्न | चिह्न |
| 3. | द्वार | द्वार | 13. | बाह्य | बाह्य |
| 4. | बुद्धि | बुद्धि | 14. | गङ्गा | गंगा |
| 5. | वृद्धि | वृद्धि | 15. | चञ्चल | चंचल |
| 6. | विद्वान | विद्वान | 16. | डण्डा | डंडा |
| 7. | लम्बा | लंबा | 17. | सम्बन्ध | संबंध |
| 8. | ब्राह्मण | ब्राह्मण | 18. | प्रसन्न | प्रसन्न |
| 9. | चिन्ता | चिंता | 19. | पत्ता | पत्ता |
| 10. | गद्दी / गद्दियाँ | गद्दी / गद्दियाँ | 20. | छुट्टियाँ | छुट्टियाँ |

## वर्तनी के अनुसार शब्द लेख

| | पुरानी विधि | नई विधि |
|---|---|---|
| 1. | इसलिये | इसलिए |
| 2. | गये | गए |
| 3. | आये | आए |
| 4. | नयी | नई |
| 5. | गयी | गई |



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



## पत्र लेखन के प्रारूप

| | |
|---|---|
| क. शिक्षण शुल्क माफ करने के लिए प्रधानाचार्या को प्रार्थना पत्र लिखिए।<br>परीक्षा भवन<br>नई दिल्ली<br>दिनांकः 27 जुलाई 2007<br>सेवा में<br>प्रधानाचार्या जी<br>अ ब स विद्यालय<br>क ख ग नगर<br>विषय- शिक्षण-शुल्क माफ करने के लिए पत्र<br>महोदया,<br>सविनय निवेदन है कि मैं .....<br>.....<br>.....।<br>सधन्यवाद।<br>आपका आज्ञाकारी शिष्य<br>क.ख.ग.<br>कक्षा - नवी 'अ' | ख. स्वास्थ्य अधिकारी को गली मोहल्ले की गंदगी के बारे में पत्र लिखिए।<br>परीक्षा भवन<br>नई दिल्ली<br>दिनांकः 27 जुलाई 2007<br>सेवा में<br>स्वास्थ्य अधिकारी<br>नगर निगम दिल्ली<br>दिल्ली<br>विषय- अपने मोहल्ले की सफाई हेतु पत्र<br>महोदया,<br>सविनय निवेदन है कि मैं .....<br>.....<br>.....।<br>सधन्यवाद।<br>भवदीय<br>क.ख.ग |
| ग. अपनी भूल के लिए क्षमा माँगते हुए अपने पिताजी को पत्र लिखिए।<br>परीक्षा भवन<br>नई दिल्ली<br>दिनांकः 27 जुलाई 2007<br>आदरणीय पिताजी,<br>सादर चरण स्पर्श<br>आपका पत्र मिला .....<br>.....<br>.....।<br>आपका आज्ञाकारी पुत्र<br>क.ख.ग. | घ. अपने मित्र को अपने भाई के विवाह में सम्मिलित होने के लिए निमंत्रण पत्र।<br>परीक्षा भवन<br>नई दिल्ली<br>दिनांकः 27 जुलाई 2007<br>प्रिय सखी<br>सस्नेह नमस्कार।<br>तुम्हारा पत्र मिला .....<br>.....<br>.....।<br>तुम्हारी सखी<br>क.ख.ग |



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



| अर्द्ध वार्षिक परीक्षा<br>(सत्र : - 2012-2013) | वार्षिक परीक्षा<br>(सत्र : - 2012-2013) |
|---|---|
| **'वसंत'**<br>1. हम पंछी उन्मुक्त गगन के<br>2. हिमालय की बेटियाँ<br>3. चिड़िया की बच्ची<br>4. रहीम के दोहे<br>5. संघर्ष के कारण मैं तुनुकमिज़ाज हो गया : धनराज | **'वसंत'**<br>1. दादी माँ<br>2. एक तिनका<br>3. नीलकंठ<br>4. भोर और बरखा<br>5. पापा खो गए |
| **'संक्षिप्त महाभारत'**<br>1. आदि पर्व (1 - 27)<br>2. सभा पर्व (34 - 41)<br>3. वन पर्व (44 - 41)<br>4. विराट पर्व (56 - 59)<br>5. उद्योग पर्व (60 - 64) | **'संक्षिप्त महाभारत'**<br>1. भीष्म पर्व (70 - 75)<br>2. द्रोण पर्व (79 - 84)<br>3. कर्ण पर्व (85 - 87)<br>4. शल्य पर्व (93 - 95)<br>5. सौप्तिक पर्व (96 - 98)<br>6. स्त्री पर्व तथा शेष पर्वो की कथा (103 - 107) |
| **'व्याकरण'**<br>1. भाषा विचार<br>2. शब्द विचार<br>3. वर्ण विचार<br>4. कारक<br>5. विलोम शब्द<br>6. पर्यायवाची शब्द<br>7. सर्वनाम भेद सहित<br>8. विराम चिह्न<br>9. मुहावरे 1-32<br>10. कहानी लेखन<br>11. पत्र (औपचारिक तथा अनौपचारिक)<br>12. अपठित गद्यांश तथा पद्यांश | **'व्याकरण'**<br>1. विशेषण तथा उसके भेद<br>2. उपसर्ग, प्रत्यय<br>3. वाक्यांशों के लिए एक शब्द (सभी)<br>4. अनेकार्थी शब्द (सभी)<br>5. क्रिया (भेद सहित)<br>6. अव्यय<br>7. मुहावरे (33-65)<br>8. लोकोक्तियाँ (1-20)<br>9. अशुद्धि शोधन - (शब्दों और वाक्यों में)<br>10. अनुच्छेद लेखन<br>11. संवाद लेखन<br>12. पत्र (औपचारिक तथा अनौपचारिक) |



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



| | |
|---|---|
| 13. अनुच्छेद लेखन | 13. अपठित गद्यांश तथा पद्यांश |

## Module – 01

वसंतः (1) हम पंछी उन्मुक्त गगन के

व्याकरणः (1) कहानी-लेखन (2) भाषा तथा वर्ण विचार

शिक्षण उद्देश्यः

1. कविता पढ़कर उसमें छिपे मूल संदेश को समझने की क्षमता प्रदान करना।
2. आज़ादी का भाव व चाहत जागृत करना। पक्षियों के प्रति सहानुभूति जागृत करना।
3. भाषा के व्यवहारिक रूप का ज्ञान प्रदान करना।
4. कल्पनाशक्ति का विकास करना।

रचनात्मक कार्यः

1. ''मानव की वर्तमान जीवन-शैली और शहरीकरण से जुड़ी योजनाएँ पक्षियों के लिए घातक है'' - इस विषय पर कक्षा में चर्चा की जाएगी।
2. हिन्दी शब्दकोश का प्रयोग करना
3. पक्षियों को पिंजरे में बंद करने से पर्यावरण भी प्रभावित होता है। (विचार व्यक्ति करें)

## Module – 02

संक्षिप्त महाभारतः सभा पर्व

व्याकरणः (1) शब्द विचार (2) अपठित गद्यांश

शिक्षण उद्देश्यः

1. भारतीय संस्कृति के महान ग्रंथ महाभारत का परिचय देना।
2. कौरवों और पांडवों के वंशज, उनके बाल्यकाल तथा शिक्षा आदि का ज्ञान प्रदान करना।
3. कौरवों के द्यूतक्रीड़ा-षड्यंत्र और उसके परिणामों से परिचित कराना।
4. रचनात्मक शक्ति का विकास करना।

रचनात्मक कार्यः

1. अपने ऐसे अनुभव का उल्लेख कीजिए जिसमें सामूहिक सहयोग से कोई अच्छा कार्य सिद्ध हुआ हो।
2. अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न स्वयं करना।

## Module – 03

संक्षिप्त महाभारतः आदि पर्व

वसंतः हिमालय की बेटियाँ

व्याकरणः (1) पर्यायवाची शब्द (2) पत्र लेखन (अनौपचारिक)

शिक्षण उद्देश्यः

1. अपनी सभ्यता व संस्कृति का परिचय देना। नदियों के लिए सम्मान का भाव जगाना।
2. पर्यायवाची शब्दों द्वारा शब्दकोश में वृद्धि करना।
3. पत्र का प्रारूप देकर पत्र लेखन की क्षमता का विकास करना।
4. रचनात्मक शक्ति का विकास।



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



5. विचारों को क्रमबद्ध तथा सुव्यवस्थित ढंग से लिखने की क्षमता का विकास।

रचनात्मक कार्यः

1. नदियों से होने वाले लाभों के विषय में चर्चा की जाएगी।
2. हिन्दी शब्दकोश का प्रयोग करना।
3. भारतीय संस्कृति पर कक्षा में चर्चा की जाएगी।

---

## Module – 04

वसंतः चिड़िया की बच्ची

व्याकरणः (1) कारक (2) पत्र (औपचारिक) (3) अपठित पद्यांश

शिक्षण उद्देश्यः

1. पशु पक्षियों के लिए दया, सहानुभूति जैसी भावनाएँ जगाना।
2. पत्र-लेखन की कला का विकास करना।
3. विचारों को क्रमबद्ध रूप में लिखने की क्षमता का विकास करना।

रचनात्मक कार्यः

1. ''स्वाधीनता या प्रलाभनों वाली पराधीनता'' विषय पर वाद-विवाद कराया जाएगा।
2. अपठित पद्यांश को पढ़कर स्वयं उत्तर देना।

---

## Module – 05

संक्षिप्त महाभरतः वन पर्व तथा विराट पर्व

व्याकरणः (1) विलोम शब्द (2) कहानी-लेखन

शिक्षण उद्देश्यः

1. पाण्डवों के वनगमन की कथा से परिचित कराना।
2. वनवास के दौरान एक वर्ष के अज्ञातवास का ज्ञान देना।
3. शब्द-भंडार में वृद्धि करना।
4. कल्पना-शक्ति का विकास करना।

रचनात्मक कार्यः

1. विद्यार्थियों द्वारा प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता करवाई जाएगी।
2. चित्र देखकर कहानी लिखना।

---

## Module – 06

वसंतः रहीम के दोहे

व्याकरणः (1) सर्वनाम (भेद सहित) (2) अनुच्छेद लेखन

शिक्षण उद्देश्यः

1. रहीम के दोहों से प्रेरणा ग्रहण करना।
2. नैतिक मूल्यों का विकास करना।



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



3. सर्वनाम की पहचान करना।
4. 'कल्पना-शक्ति' व 'रचनात्मक क्षमता' का विकास।
5. अनुच्छेद-लेखन में दक्षता प्रदान करना।

रचनात्मक कार्यः

1. 'मन के हारे हार है, मन के जीते जीत' विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए।
2. 'हरे-भरे पेड़ को काटने से बचाना आज के युग की आवश्यकता है।' विषय पर कक्षा में परिचर्चा कीजिए।

---

**Module – 07**

संक्षिप्त महाभारतः उद्योग पर्व

व्याकरणः (1) मुहावरे (2) अनुच्छेद लेखन

शिक्षण उद्देश्यः

1. कौरवों-पाण्डवों में युद्ध के निश्चय तथा युद्ध-भूमि में भीष्म की शरशय्या के विषय में ज्ञान देना।
2. मुहावरों के प्रयोग द्वारा भाषा के प्रभावशाली रूप की जानकारी देना।
3. विचारों के क्रमबद्ध तथा सुव्यवस्थित ढंग से लिखने की क्षमता का विकास करना।

रचनात्मक कार्यः

1. समाचार-पत्र तथा हिंदी की अन्य पत्र-पत्रिकाओं को पढ़ना।
2. मुहावरों का सुंदर-सा चार्ट बनाना।

---

**Module – 08**

वसंतः संघर्ष के कारण मैं तुनुकमिज़ाज हो गया : धनराज

व्याकरणः (1) विराम-चिह्न (2) पत्र (औपचारिक)

शिक्षण उद्देश्यः

1. साहस, परिश्रम जैसे गुणों का विकास करना।
2. छात्रों में कर्त्तव्यपरायणता की भावना का विकास करना।
3. विराम-चिह्नों का उचित स्थान पर उचित ढंग से प्रयोग करना।

रचनात्मक कार्यः

1. 'किन विशेषताओं के कारण भारत का राष्ट्रीय खेल हॉकी है?' विषय पर चर्चा की जाएगी।
2. हॉकी जैसे खेल में विद्यार्थियों की बढ़ती रुचि पर चर्चा करना।

---

**Module – 09**

''अर्द्ध वार्षिक परीक्षा के पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति''



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



# अभ्यास पत्र

## Module – 01

वसंत – 'हम पंछी उन्मुक्त गगन के'

1. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प छाँटिए –

स्वर्ण–शृंखला के बंधन में,
अपनी गति, उड़ान सब भूले,
बस सपनों मे देख रहे हैं
तरु की फुनगी पर के झूले।

(क) कवि का नाम बताइए।
(*i*) मैथिलीशरण गुप्त (*ii*) जयशंकर प्रसाद (*iii*) शिवमंगल सिहं 'सुमन'

(ख) स्वर्ण–पिंजरे में रहकर पक्षी क्या सोचता है?
(*i*) वह बहुत तीव्र उड़ता है। (*ii*) वह अपनी उड़ान तथा गति भूल गया है।
(*iii*) वह बहुत प्रसन्न है।

(ग) अंतिम दो पंक्तियों का अर्थ है –
(*i*) वह अपनी उड़ान तथा गति भूल गए हैं। (*ii*) पेड़ों की चोटी पर झूला झूलना अब भी संभव है।
(*iii*) पेड़ों की चोटी पर झूला झूलना बस अब सपनों की बात हो गई है।

(घ) 'होड़ा–होड़ी' का अर्थ है –
(*i*) लड़ाई–झगड़ा (*ii*) प्रतिस्पर्धा (*iii*) तीव्र गति

2. होती सीमाहीन क्षितिज से
इन पंखों की होड़ा–होड़ी,
या तो क्षितिज मिलन बन जाता
या तनती साँसों की डोरी।

(क) उड़ान भरते समय पक्षियों में किस बात ही होड़ हुई?
(*i*) क्षितिज को पाने की (*ii*) पहले साँसे तनने की (*iii*) पिंजरबद्ध रहने की

(ख) क्षितिज न मिलने पर क्या होता?
(*i*) वे प्रसन्न होते (*ii*) वे वापस पिंजरे में आ जाते
(*iii*) इनकी साँसे वहीं रुक जातीं

(ग) सीमाहीन का समानार्थी है।
(*i*) असीम (*ii*) सीमित (*iii*) विस्तृत

3. ''पक्षियों को पालना उचित है अथवा नहीं'' विषय पर 10 पंक्तियाँ लिखिए।



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



## भाषा तथा वर्ण विचार

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –
   (क) विचारों के आदान-प्रदान के माध्यम को ..... कहते हैं। (भाषा, लिपि)
   (ख) भाषा के शुद्ध रुप का ज्ञान हमें ..... द्वारा होता है। (लिपि, व्याकरण)
   (ग) किसी भी भाषा के लिखने के ढंग या रीति को ..... कहते हैं। (बोली, लिपि)
   (घ) हिन्दी दिवस ..... को मनाया जाता है। (14 सितम्बर, 14 अक्तूबर)
   (ङ) भारतीय संविधान में कुल ..... भाषाओं को मान्यता दी गई हैं। (22, 23)
   (च) भाषा के क्षेत्रीय रूप को ..... कहते हैं। (बोली, उपभाषा)

2. निम्नलिखित भाषाओं के सामने उसकी लिपि लिखिए –
   (क) हिन्दी (ख) अंग्रेज़ी
   (ग) उर्दू (घ) पंजाबी (ङ) संस्कृत

3. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए –
   (क) ..... भाषा की सबसे छोटी इकाई कहलाती है।
   (ख) वर्णों का क्रमबद्ध समूह ..... कहलाता है।
   (ग) हिन्दी में ..... वर्ण हैं जिसमें ..... स्वर, ..... व्यंजन और ..... संयुक्त व्यंजन हैं।
   (घ) स्वर तीन प्रकार के होते हैं, ....., ..... और .....।
   (ङ) व्यंजन ..... प्रकार के होते हैं – ....., ..... और .....।

4. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए।
   (क) भुवन (ख) यज्ञ
   (ग) मौसी (घ) श्रीमती
   (ङ) फूल

## कहानी लेखन

1. ''जैसी संगति बैठिए, तैसो ही फल दीन' विषय पर कहानी लिखिए।

---

**Module – 02**

## संक्षिप्त महाभारत 'आदि पर्व'

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –
   (क) ययाति की दो रानियाँ, ..... व ..... थीं।
   (ख) दुष्यंत के पुत्र ..... के नाम पर इस देश का नाम ..... पड़ा।
   (ग) सत्यवती का विवाह महाराज ..... से हो गया।



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



(घ) कुंती यदुकुल श्रेष्ठ ..... नरेश ..... की पुत्री थी।

(ङ) कुंती का पहला नाम ..... था।

(च) विचित्रवीर्य का विवाह ..... और अम्बालिका से हो गया।

2. किसने, किससे कहा –

(क) ''तुम्हें वचन देने वाला प्रेमी राजा था लेकिन अब वह पिता बन चुका है।''

(ख) ''आप निश्चिंत होकर अपनी कन्या का विवाह महाराज शांतनु से कर दें।''

(ग) ''मैंने शाल्व राजकुमार से विवाह का निर्णय किया है।''

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए –

(क) देवव्रत का नाम भीष्म क्यों पड़ा?

(ख) सुभद्रा के पुत्र का क्या नाम था?

(ग) द्रुपद ने द्रोणाचार्य को क्या वचन दिया था?

## शब्द विचार

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए –

(क) शब्द की परिभाषा लिखिए।

(ख) उत्पत्ति के आधार पर शब्दों के कितने भेद हैं? नाम भी लिखें।

(ग) रचना के आधार पर शब्दों के भेद लिखिए।

2. निम्नलिखित शब्दों को उनकी उचित श्रेणी में लिखिए –

हिमालय, हिम, जल, चिड़ियाघर, नीलकंठ, विद्यालय

(क) रूढ़ :–

(ख) यौगिक :–

(ग) योगरूढ़ :–

3. दिए गए शब्दों के तत्सम रूप पर सही (✓) का चिह्न बनाएँ।

(क) कुम्हार – कुमार, कुम्भकार, कंधार

(ख) बहरा – मूक, बहिन, बधिर

(ग) सावन – सावन, श्रवण, भादों

(घ) सौ – शत, लक्ष, शताब्दी

4. दिए गए शब्दों के तद्भव रूप में से शब्द के सही तद्भव रूप को रेखांकित कीजिए।

(क) उज्ज्वल – उजाला, उजला, ओझल

(ख) घोटक – गधा, घड़ा, घोड़ा

(ग) तृण – तिनका, तिनक, वृक्ष

(घ) उष्ट्र – राष्ट्र, ऊँट, उल्लू



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



अपठित गद्यांश

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए –

साहस की ज़िंदगी सबसे बड़ी होती है। ऐसी जिंदगी की सबसे बड़ी पहचान यह है कि वह बिलकुल निडर, बिलकुल बेखौफ़ होती है। साहसी मनुष्य की पहली पहचान यह है कि वह इस बात की चिंता नहीं करता कि तमाशा देखने वाले लोग उसके बारे में क्या सोच रहे हैं। जनमत की उपेक्षा करके जीने वाला आदमी दुनिया की असली ताकत होता है और मनुष्यता को प्रकाश भी आदमी से मिलता है। अड़ोस-पड़ोस को देखकर चलना, यह साधारण जीव का काम है। क्रांति करने वाले लोग अपने उद्देश्य की तुलना न तो पड़ोसी के उद्देश्य से करते हैं और न अपनी चाल को ही पड़ोसी की चाल देखकर मद्धिम बनाते हैं। बर्नाल्ड बेनेट ने एक जगह लिखा है कि जो आदमी यह महसूस करता है कि किसी महान निश्चय के समय वह साहस से काम नहीं ले सका, ज़िंदगी की चुनौती को क़बूल नहीं कर सका, वह सुखी नहीं हो सकता। बड़े मौके पर साहस नहीं दिखाने वाला आदमी बराबर अपनी आत्मा के भीतर एक आवाज़ सुनता रहता है। एक ऐसी आवाज़ जिसे वही सुन सकता है और जिसे वह रोक भी नहीं सकता। वह आवाज़ उसे बराबर कहती रहती है, तुम साहस नहीं दिखा सके, तुम कायर की तरह भाग खड़े हुए हो।

(क) किस ज़िंदगी को लेखक ने सबसे बड़ी ज़िंदगी कहा है?

(*i*) साहस (*ii*) निडर (*iii*) पुरुषार्थ (*iv*) (*i*) तथा (*ii*)

(ख) साहसी मनुष्य की पहली पहचान क्या होती है?

(*i*) वह साहसी होता है (*ii*) वह तमाशा देखने वालों की चिंता नहीं करता

(*iii*) वह निडर होता है (*iv*) वह पुरुषार्थ करता है

(ग) क्रांति करने वालों की क्या विशेषता होती है?

(*i*) वे अपने उद्देश्य की तुलना पड़ोसी से नहीं करते

(*ii*) अपनी चाल को पड़ोसी की चाल देखकर मद्धिम नहीं बनाते हैं

(*iii*) उपर्युक्त दोनों बातें (*iv*) दोनों में से कोई नहीं

(घ) बड़े मौके पर साहस न दिखाने वाला क्या सुनता रहता है?

(*i*) लोगों के ताने (*ii*) अपनी आत्मा के भीतर की आवाज़

(*iii*) आत्मा की धिक्कार (*iv*) आत्मा की पुकार

(ङ) 'उद्देश्य' शब्द का वर्ण-विच्छेद कीजिए –

(*i*) उ+अ+द्+अ+श्+अ+य्+अ (*ii*) उ+द्+ए+श्+य+अ

(*iii*) उ+द्+द्+ए+श्+य्+अ (*iv*) उ+द्+अ+द्+श्+य+अ

---

**Module – 03**

हिमालय की बेटियाँ

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों उत्तर दीजिए।



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



कालिदास के विरही यक्ष ने मेघदूत से कहा था – वेत्रवती (बेतवा) नदी को प्रेम का प्रतिदान देते जाना, तुम्हारी यह प्रेयसी तुम्हें पाकर अवश्य ही प्रसन्न होगी। यह बात इन चंचल नदियों को देखकर मुझे अचानक याद आ गई और सोचा कि शायद उस महाकवि को भी नदियों का सचेतन रूप पसंद था। दरअसल जो भी कोई नदियों को पहाड़ी घाटियों और समतल आँगनों के मैदानों में जुदा-जुदा शक्लों में देखेगा, वह इसी नतीजे पर पहुँचेगा।

(क) पाठ तथा लेखक का नाम लिखिए।
(ख) महाकवि को नदियों का कौन सा रूप पसंद था?
(ग) 'मेघदूत' किसके द्वारा व किस भाषा मे लिखा गया ग्रंथ है?

2. पहाड़ी नदी व मैदानी नदी में क्या अंतर है?

## सभा पर्व

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –
(क) महर्षि नारद ने युधिष्ठिर को ..... की तरह .....यज्ञ करने की सलाह दी।
(ख) अर्जुन और भीम ..... के वेश में जरासंध के राजगृह पहुँचे।
(ग) श्रीकृष्ण अपनी बुआ को वचन दे चुके थे कि वे शिशुपाल के ..... ..... क्षमा करेंगे।
(घ) धृतराष्ट्र ने विदुर से कहा कि वे इंद्रप्रस्थ जाकर ..... को जुए के लिए आमंत्रित करें।
(ङ) शकुनि ने धूर्तता से पासे फेंके और ..... को भी जीत लिया।

2. किसने, किससे कहा –
(क) ''जब महाराज स्वयं अपने को हार चुके थे तो मुझे दाँव पर लगाने का उनको अधिकार कहाँ रह गया था?''
(ख) ''तुम ऐसा करके अपने वंश के विनाश के बीज बो रहे हो।''
(ग) ''तुम उदार हृदय हो, जो कुछ भी हुआ दुर्योधन की वजह से हुआ, उसे भूल जाओ।''

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए –
(क) सभा भवन का निर्माण किस वस्तु से किया गया?
(ख) भीम तथा अर्जुन किस वेश में जरासंध के पास पहुँचे?
(ग) द्रौपदी के अपमान पर भीम ने क्या प्रतिज्ञा की?

## 'पर्यायवाची'

1. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के स्थान पर उचित पर्यायवाची शब्दों को प्रयोग कर वाक्य पुनः लिखिए।
(क) थका हुआ यात्री विटप की छाया में बैठ कर आराम करने लगा। (पादप, वृक्ष)
(ख) रजनी के समय खाना खाकर हम हर रोज़ सैर के लिए जाते हैं। (रात्रि, निशा)
(ग) प्रत्येक मनुज अपना कर्त्तव्य पूरा करता है। (मानव, नर)
(घ) शत्रु ने भारतीय दल पर आक्रमण पर दिया। (सेना, समूह)
(ङ) हिंदू देवनदी के जल को पवित्र मानते हैं। (सुरसरि, गंगा)

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कोष्ठक में दिए शब्द के उपयुक्त पर्यायवाची से कीजिए –



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



(क) ..... और पिता का आदर करना संतान का कर्त्तव्य है। (मातृ)
(ख) सप्ताह में सात ..... होते हैं। (वासर)
(ग) ठिठुरती सर्दी में लकड़ियाँ इकट्ठी कर हमने ..... जलाई। (पावक)
(घ) मैं प्रतिदिन नाश्ते के साथ ..... पीता हूँ। (क्षीर)
(ङ) आकाश में ..... छा जाने पर मोर प्रसन्न हो जाता है। (वारिद)

अनौपचारिक पत्र

1. अपने बड़े भाई को अपनी वार्षिक परीक्षा की तैयारी का वर्णन करते हुए पत्र लिखिए।

---

**Module – 04**

साहित्य – चिड़िया की बच्ची

1. निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
माधवदास को वह चिड़िया बड़ी मनमानी लगी। उसकी स्वच्छंदता बड़ी प्यारी जान पड़ती थी। कुछ देर तक वह उस चिड़िया का इस डाल से उस डाल थिरकना देखते रहे। इस समय वह अपना बहुत कुछ भूल गए। उन्होंने चिड़िया से कहा, ''आओ, तुम बड़ी अच्छी आईं।यह बगीचा तुम लोगों के बिना सूना लगता है। सुनो चिड़िया, तुम खुशी से यह समझो कि यह बगीचा मैंने तुम्हारे लिए ही बनवाया है। तुम बेखटके यहाँ आया करो।''
(क) पाठ तथा लेखक का नाम बताइए।
(ख) माधवदास अपना बहुत कुछ क्यों भूल गए?
(ग) इस गद्यांश में माधवदास की पक्षियों के प्रति कैसी भावना दर्शाई गई है?
(घ) अर्थ लिखिए – स्वच्छंदता, बेखटके।

2. 'क्या हम आज भी अंग्रेज़ों के गुलाम है।' विषय पर 12 से 15 पंक्तियों में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

3. 'जीवन में माँ का महत्त्व' विषय पर 10 पंक्तियों में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

कारक

4. रेखांकित शब्दों के कारक बताइए –
(क) नेहरू जी को दर्शनार्थियों की भीड़ घेरे रहती थी।
(ख) आज़ाद का जन्म एक साधारण परिवार में हुआ।
(ग) हम ज़लाशयों को देखते ही तैरने के लिए मचल उठते हैं।
(घ) विदित के हाथ से संतरा गिर गया।
(ङ) राम हाथ से कपड़े धो रहा था।



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



पत्र (औपचारिक) तथा अपठित पद्यांश

1. प्रधानाचार्या को पत्र लिखकर विद्यालय में कला प्रदर्शनी आयोजन करने की अनुमति माँगिए।
2. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

तुम भारत, हम भारतीय हैं, तुम माता, हम बेटे
किसकी हिम्मत है कि तुम्हें दुष्टता-दृष्टि से देखे?
ओ माता, तुम एक अरब से अधिक भुजाओं वाली,
सबकी रक्षा में तुम सक्षम, हो अदम्य बलशाली।।
भाषा, वेश, प्रदेश भिन्न हैं, फिर भी भाई-भाई,
भारत की साझी संस्कृति में पहले भारतवासी।
सुदिनों में हम एक साथ हँसते, गाते सोते हैं
दुर्दिन में भी साथ-साथ जगते पौरुष ढोते हैं।।

(क) प्रस्तुत पद्यांश किनके विषय में है –
(*i*) दुष्ट और सज्जन (*ii*) देश और विदेश (*iii*) भारत तथा भारतवासी (*iv*) माँ और बेटी

(ख) भारतवासी किसमें एक दूसरे से भिन्न हैं –
(*i*) देश, भाषा, वेश (*ii*) देश, प्रदेश, वेश (*iii*) वेश, प्रदेश, भाषा (*iv*) देश, संस्कृति, भाषा

(ग) भारतवासी कब एक होकर रहते हैं –
(*i*) सुदिनों में (*ii*) दुर्दिनों में (*iii*) संस्कृति में (*iv*) (*i*) और (*ii*) दोनों में

(घ) 'प्रदेश' का वर्ण-विच्छेद होगा –
(*i*) प्+र्+अ+द्+ए+श्+अ (*ii*) प्+अ+र्+द्+ए+श्+अ
(*iii*) प्+र्+अ+द्+ऐ+श्+अ (*iv*) प्+र्+ए+द्+ए+श्+अ

(ङ) 'साझी संस्कृति' से तात्पर्य है –
(*i*) मिली-जुली संस्कृति (*ii*) अलग संस्कृति
(*iii*) प्रांतीय संस्कृति (*iv*) भाषायी संस्कृति

---

**Module – 05**

संक्षिप्त महाभारत 'वन पर्व'

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

(क) पांडवों को जुए की शर्त के अनुसार ..... का वनवास और एक वर्ष का ..... बिताना पड़ा।

(ख) सूर्यदेवता ने प्रसन्न होकर उन्हें ..... प्रदान किया।

(ग) वन-वन घूमते हुए पांडव ..... नदी के किनारे ..... वन में आ गए और वहीं निवास करने लगे।



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



(घ) इस पर अर्जुन ने ..... त्याग दिया और भगवान ..... की घोर तपस्या की और उनसे ..... अस्त्र प्राप्त किया।

(ङ) कुबेर ने ....., वरुणदेव ने ..... और यमराज ने ..... प्रदान किया। इन्द्रलोक में इन्द्र ने अर्जुन को ..... प्रदान किया।

(च) पांडव महर्षि ..... के साथ सबसे पहले पूर्व दिशा में ..... होते हुए ..... गया और अंत में ..... पहुँचे।

(छ) द्रौपदी ने दंडस्वरुप ..... के सिर के आधे बाल ..... उसे छोड़ दिया। कर्ण ने अपने ... ..... और कुंडल जो उसके ..... के साथ लगे हुए थे, काट कर ..... को दे दिए।

2. किसने किससे कहा –

(क) ''इन अस्त्रों का प्रयोग मनुष्यों पर वर्जित है।''

(ख) ''अप्सरा कभी बहन और माता नहीं होती।''

(ग) ''अगर तुम्हें जल्दी है तो मेरी पूँछ को एक तरफ करके निकल जाओ।''

(घ) ''मैं चारों भाइयों में से एक को जीवित कर सकता हूँ।''

## 'विराट पर्व'

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

(क) अज्ञातवास के दौरान युधिष्ठिर ने अपना नाम ..... रखा।

(ख) भीम ने अपने को ..... नामक रसोइया बताया।

(ग) अर्जुन ने ..... नाम रखकर राजकुमारी ..... को संगीत और नृत्य की शिक्षा दी।

(घ) नकुल ने ..... नाम से घोड़ों की रखवाली का काम सँभाला।

(ङ) सहदेव ने ..... नाम से ..... का काम सँभाला।

(च) द्रौपदी ..... नाम की दासी बनकर महारानी ..... की सेवा करने लगीं।

(छ) युधिष्ठिर के कहने पर ..... को चेतावनी देकर मुक्त कर दिया गया। उत्तरा का विवाह अर्जुन के पुत्र . ..... से हुआ।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए –

(क) राजा विराट के यहाँ अपने को छिपाए रखने के लिए पांडव किस नाम और रूप में रहे?

(ख) कृपाचार्य ने दुर्योधन को क्या सुझाव दिया?

(ग) विराट की गायों को किसने छुड़ाया?

(घ) राजा विराट ने पांडवों को क्या वचन दिया?

(ङ) सुशर्मा कौन था? उसे किसने बंदी बनाया?

(च) अर्जुन किसका सारथी बना?

## 'विलोम शब्द'

1. निम्नलिखित शब्दों में से उपुयक्त विलोम शब्द रेखांकित कीजिए –



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



(क) उपकार – अपकार, परोपकार
(ख) उदार – कंजूस, अनुदार, कृपाण
(ग) साकार – आकार, प्रकार, निराकार
(घ) नवीन – पुरातन, प्राचीन, पुराना
(ङ) मान – सम्मान, अपमान

2. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के विलोम शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –
(क) कौन शत्रु है, कौन ..... अवसर आने पर ही इसकी जानकारी संभव है।
(ख) वीरता देश को सुदृढ़ बनाती है तो ..... देश को कमज़ोर।
(ग) गांधी जी ने सदा न्याय का समर्थन किया और ..... और .....।
(घ) हर समस्या शांति से सुलझाई जा सकती है ..... से तो समस्या और गंभीर हो जाती है।
(ङ) पर्वतीय स्थल पर सूर्योदय तथा ..... का दृश्य अत्यंत आकर्षक होता है।

'कहानी लेखन'

1. 'बाप बड़ा न भैया, सबसे बड़ा रुपैया' विषय चरितार्थ करते हुए एक कहानी लिखिए।

---

**Module – 06**

वसंत – 'रहीम के दोहे'

1. निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –
कहि रहीम संपति सगे, बनत बहुत बहु रीत।
बिपति कसौटी जे कसे, तेई साँचे मीत।।
(क) कवि का नाम बताइए।
(*i*) कबीर (*ii*) तुलसी (*iii*) रहीम
(ख) सच्चे मित्र के क्या लक्षण है?
(*i*) कठिनाई में साथ देना (*ii*) सबसे मित्रता करना
(*iii*) प्रेम का व्यवहार करना
(ग) मीत शब्द के पर्यायवाची हैं –
(*i*) मित्र, सखा (*ii*) बैरी, दुश्मन (*iii*) अंबा, माता

2. रहीम के दोहों से हमें क्या शिक्षा मिलती है? संक्षेप में लिखिए।

3. किन्हीं दो दोहों का भाव स्पष्ट कीजिए।

'सर्वनाम (भेद सहित)'

1. निम्नलिखित वाक्यों में सर्वनाम रेखांकित कर, भेद का नाम भी बताइए।
(क) कोई आकर सड़क के किनारे कुछ रख गया।
(ख) इस वर्ष भी उसी को पुरुस्कार मिलेगा।
(ग) जो परिश्रम करता है, वह सफल होता है।



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



(घ) मैं सब्ज़ी ले आई।
(ङ) आप कहाँ जा रहे हैं?
(च) मैं अपने-आप खाऊँगा।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति सर्वनाम के उचित रूप से कीजिए –
(क) ..... अपनी गलती का सहसास है। (मैं)
(ख) ..... करोगे ..... भरोगे। (जो-वह)
(ग) आज मैं ..... घर जाऊँगा। (तुम)
(घ) क्या ..... भोजन किया। (आप)
(ङ) ..... जैसा कोई नहीं। (वह)

'अनुच्छेद'

1. 'रचनात्मक गतिविधियाँ शिक्षण में कितनी सहायक?' विषय पर अनुच्छेद लिखिए।

---

**Module – 07**

संक्षिप्त महाभारत 'उद्योग पर्व'

1. किसने, किससे कहा –
(क) ''पांडवों ने अपनी वचनबद्धता तथा धर्म के मार्ग पर चलने की नीति को सिद्ध कर दिया।''
(ख) ''दुष्ट दुर्योधन संधि नहीं करेगा अतः तुम्हारी इच्छा अवश्य पूरी होगी।''
(ग) ''मैं आपको वचन देता हूँ कि आप पाँच पांडवों की माता बनी रहेंगी।''

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –
(क) यादवों के राजा ..... थे, उन्हें अपन पक्ष में आमंत्रित करने के लिए महाराज ..... स्वयं ..... गए।
(ख) जब कृष्ण ..... बनकर हस्तिनापुर आए तो महाराज ..... भी ....., दुःशासन आदि पुत्रों के साथ ..... का स्वागत करने गए।
(ग) कुंती ने ..... को बताया कि तुम सूतपुत्र नहीं ..... हो।
(घ) भगवान ..... धृतराष्ट्र से मिलने आए। उन्होंने ..... को ..... दी।

'मुहावरे व अनुच्छेद लेखन'

1. मुहावरों द्वारा रिक्त स्थान भरिए –
(क) अध्यापक के न होने के कारण विद्यार्थियों ने कक्षा को .....।
(ख) परीक्षा में कठिन प्रश्नों को देखकर मुझे .....।
(ग) श्याम अपने वृद्ध माता-पिता के लिए .....।
(घ) तुम तो आजकल दिखाई नहीं देते, बिल्कुल .....।



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



2. निम्नलिखित मुहावरों से वाक्य बताइए –
   (क) आँखे दिखाना
   (ख) आग बबूला होना
   (ग) एड़ी–चोटी को जोर लगाना
   (घ) खून–पसीना एक करना

3. 'भारत में स्त्री–शिक्षा' विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए।

---

**Module – 08**

साहित्य – संघर्ष के कारण मैं तुनुकमिज़ाज हो गया : धनराज

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –
   सबसे अधिक प्रेरणा मुझे अपनी माँ से मिली। उन्होंने हम सब भाई–बहनों में अच्छे संस्कार डालने की कोशिश की। मैं उनके सबसे नजदीक हूँ। मैं चाहे भारत में रहूँ या विदेश में, रोज़ रात में सोने से पहले माँ से ज़रुर बात करता हूँ। मेरी माँ ने मुझे अपनी प्रसिद्धि को विनम्रता के साथ सँभालने की सीख दी है। मेरी सबसे बड़ी भाभी कविता भी मेरे लिए माँ की तरह हैं और वे भी मेरे लिए प्रेरणा–स्रोत रही है।
   (क) पाठ तथा साक्षात्कारकर्ता का नाम बताइए।
   (ख) लेखक अपनी प्रेरणा का स्रोत किस–किस को मानता है?
   (ग) लेखक को अपनी माँ की कौन–सी सीख याद है?
   (घ) प्रेरणा व विनम्रता शब्दों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

'विराम चिह्न तथा पत्र'

2. उचित विराम चिह्न लगाइए –
   (क) अरे बाप रे मार डाला वह चिल्लाने लगा
   (ख) तुम्हारा नाम क्या है मैंने पूछा
   (ग) इन सभी की साधना में रोज़ कुछ न कुछ समय लगाए
   (घ) प्रदूषण के चार प्रकार होते हैं जल प्रदूषण भूमि प्रदूषण वायु प्रदूषण और ध्वनि प्रदूषण

2. खराब बस सेवा में सुधार हेतु दिल्ली परिवहन निगम के प्रबंधक को पत्र लिखिए।

---

**Module – 09**

'अर्द्धवार्षिक परीक्षा के समस्त पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति'



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



आदर्श प्रश्न-पत्र

अर्द्धवार्षिक परीक्षा

समय : 2 घण्टे 30 मिनट | अधिकतम अंक : 80

निर्देश :-

(क) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'

(ख) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(ग) यथासंभव प्रश्नों के, उपभागों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

## खंड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

जिसे स्वयं पर भरोसा है, उसी पर दूसरे लोग भी भरोसा करते हैं। जो अपनी सहायता स्वयं करता है, भगवान भी उसकी सहायता से पीछे नहीं हटते। हो सकता है कोई निष्ठावान व्यक्ति अपने कर्म-क्षेत्र में असफल रहा हो, परंतु जितने भी सफल व्यक्ति हुए हैं, उनमें प्रत्येक में आत्मविश्वास अवश्य रहा है। आत्मविश्वास ही शक्ति का स्त्रोत है। मनुष्य को ईश्वर से जो दिव्य वरदान मिला है, वह है - आत्मविश्वास। इसी आत्मविश्वास के बल पर वह एवरेस्ट जैसे ऊँचे पहाड़ों पर चढ़ा; सागर की अतल गहराइयों से मोती ढूँढ लाया; सुदूर ग्रहों पर पहुँचने की चेष्टा करता रहा और ज्ञान के समुद्र में से ऐसे विलक्षण रत्न ढूँढ लाया, जिसने दुनिया को हतप्रभ कर दिया। ऐसी-ऐसी खोजें कीं, कि घर बैठे दुनिया घूम लीजिए। इसी प्रबल आत्मविश्वास के बल पर उसने असंभव को संभव कर दिखाया।

(क) कैसे लोगों पर दूसरे लोग भरोसा करते हैं? (1)

(*i*) जो स्वार्थी हो (*ii*) जिन्हें स्वयं पर भरोसा हो

(*iii*) जिनमें इंसानियत हो (*iv*) जो सच बोलते हों

(ख) सफल व्यक्तियों में कौन-सा गुण पाया जाता है? (1)

(*i*) प्रेम (*ii*) सत्य (*iii*) लोभ (*iv*) आत्मविश्वास

(ग) आत्मविश्वास के बल पर मनुष्य कैसे ऊँचे पहाड़ पर चढ़ सका है?

(*i*) स्विफ्ट् (*ii*) मानचेस्टर (*iii*) एवरेस्ट (*iv*) ट्विस्टर

(घ) मनुष्य ने सागर की गहराइयों में से क्या ढूँढा? (1)

(*i*) मोती (*ii*) शक्ति (*iii*) सोना (*iv*) सीपियाँ

(ङ) आत्मविश्वास किसका स्रोत है? (1)

(*i*) संपत्ति (*ii*) शक्ति (*iii*) धन (*iv*) सत्ता

(च) मनुष्य को ईश्वर ने क्या वरदान दिया है? (1)

(*i*) शक्ति (*ii*) आत्मविश्वास (*iii*) प्रेम (*iv*) सत्ता

(छ) गद्यांश में 'संज्ञा' शब्द है - (1)

(*i*) आत्मविश्वास (*ii*) मनुष्य (*iii*) ईश्वर (*iv*) उपुर्यक्त तीनों

(ज) 'सागर' का पर्याय है - (1)



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



(*i*) विटप (*ii*) सिंधु (*iii*) पाणि (*iv*) संपदा

(झ) गद्यांश का 'शीर्षक' हो सकता है – (1)

(*i*) कर्म ही जीवन है (*ii*) आत्मविश्वास (*iii*) सत्य और प्रेम (*iv*) निष्ठावान व्यक्ति

(ञ) 'ग्रह' का वर्ण विच्छेद है – (1)

(*i*) ग्+ऋ+ह+अ (*ii*) ग्+र्+ह+अ (*iii*) ग्+र्+अ+ह्+अ (*iv*) ग्+र+ह्+र्+अ

## खंड 'ख'

2. 'मेहनत का फल मीठा होता है' विषय पर एक कहानी लिखिए। (5)

अथवा

'समाज में बेरोज़गारी से युवाओं में बढ़ता आक्रोश' विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए।

3. विद्यालय में पीने के पानी की उचित व्यवस्था करवाने का अनुरोध करते हुए प्रधानाचार्या को पत्र लिखिए। (5)

अथवा

अवैध रूप से कब्ज़ा की गई ज़मीन की सूचना देते हुए पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखिए।

## खंड 'ग'

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए।

(क) वसंत, गंगा, सूर्य (दो-दो पर्यायवाची लिखिए) (3)

(ख) अनुराग, अपेक्षा, नूतन, उदय (विलोम शब्द लिखिए) (2)

(ग) (*i*) वह बाहर खेलने गया। (सर्वनाम छाँटते हुए भेद बताइए) (3)
(*ii*) हमें अपना काम स्वयं करना चाहिए।
(*iii*) बाहर कौन है?

(घ) (*i*) पेड़ से पत्ते गिरते हैं। (कारक छाँटकर भेद का नाम लिखिए) (3)
(*ii*) अध्यापक ने पुस्तकें बाँटी।
(*iii*) वह गाड़ी से आया।

5. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। (5)

(क) वह साधन जिसके द्वारा हम अपने विचार दूसरों को प्रकट करते हैं ..... कहलाती है।

(ख) भाषा को लिखने के लिए निश्चित किए गए चिह्नों को ..... कहते हैं।

(ग) हिन्दी भाषा के कुल ..... वर्ण हैं।

(घ) स्पर्श व्यंजनों की संख्या ..... है।

(ङ) दीर्घ स्वरों की संख्या ..... है।

6. (क) तत्सम रूप बताइए – मक्खी, घी (1)

(ख) तद्भव रूप बताइए – कोकिल, सूर्य (1)

(ग) रूढ़, यौगिक और योगरूढ़ शब्द छाँटिए – पुस्तकालय, दीवार, नीलकंठ, घर (2)



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



(घ) विराम चिह्न लगाइए – (*i*) शास्त्रों में कहा गया है योगाभ्यास को जीवन का अंग बनाओ। (2)
(*ii*) पूर्व पश्चिम उत्तर दक्षिण चार दिशाएँ होती है।

(ङ) मुहावरों का वाक्य प्रयोग कीजिए – (*i*) आँखों का तारा (3)
(*ii*) अक्ल चकराना (*iii*) ईद का चाँद होना

## खंड 'घ'

7. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

हम बहता जल पीने वाले
मर जाएँगे भूखे-प्यासे,
कहीं भली है कटु निबौरी
कनक-कटोरी की मैदा से।

(क) प्रस्तुत कविता का नाम है – (1)
(*i*) हम पंछी उन्मुक्त गगन के (*ii*) हिमालय की बेटियाँ (*iii*) रहीम के दोहे

(ख) प्रस्तुत कविता के कवि का नाम है – (1)
(*i*) मैथिलीशरण गुप्त (*ii*) जयशंकर प्रसाद (*iii*) शिवमंगल सिंह 'सुमन'

(ग) कनक शब्द का समानार्थी बताया है – (1)
(*i*) सोना (*ii*) चाँदी (*iii*) लोहा

(घ) कड़वी निबौरी को अच्छा बताया है – (1)
(*i*) कनक कटोरी से (*ii*) बहते जल से (*iii*) कनक कटोरी की मैदा से

(ङ) पद्यांश के अनुसार पक्षी की विशेषता है – (1)
(*i*) वे भूखे-प्यासे रहते हैं (*ii*) वे उड़ना चाहते हैं (*iii*) वे बहता जल पीते है

(च) भूखे-प्यासे में प्रयुक्त विराम चिह्न है – (1)
(*i*) योजक चिह्न (*ii*) पूर्ण विराम (*iii*) निर्देशक चिह्न

8. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

सेठ, "अरी चिड़िया तुझे बुद्धि नहीं हैं। तू सोना नहीं जानती, सोना? उसी की जगत को तृष्णा है। वह सोना मेरे पास ढेर का ढेर है। तेरा घर समूचा सोने का होगा। ऐसा पिंजरा बनवाऊँगा कि कहीं दुनिया में न होगा, ऐसा कि तू देखती रह जाए। तू उसके भीतर थिरक-फुदककर मुझे खुश करियो। तेरा भाग्य खुल जाएगा। तेरे पानी की कटोरी भी सोने की होगी।"

(क) पाठ तथा लेखक का नाम लिखिए। (1)
(ख) सेठ चिड़िया को क्या-क्या प्रलोभन देता है? (2)
(ग) समूचा, तृष्णा शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए। (2)
(घ) सेठ चिड़िया के लिए कैसा पिंजरा बनवाना चाहता है? (1)

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए – (3 × 3 = 9)



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



(क) सिंधु और ब्रह्म-पुत्र की क्या-क्या विशेषताएँ बताई गई हैं?

(ख) साक्षात्कार पढ़कर आपके मन में धनराज पिल्लै की कैसी छवि उभरती है? वर्णन कीजिए।

(ग) पक्षी उन्मुक्त रहकर अपनी कौन-कौन सी इच्छाएँ पूरी करना चाहते हैं?

(घ) किन बातों से ज्ञात होता है कि माधवदास का जीवन सम्पन्नता से भरा था परंतु वह सुखी नहीं था?

10. निम्नलिखित कथनों के आशय स्पष्ट कीजिए – (2 × 2 = 4)

(क) ''यह कोई ज़रुरी नहीं कि शोहरत पैसा साथ लेकर आए।''

(ख) ''कितना सौभाग्यशाली है वह समुद्र जिसे पर्वतराज हिमालय की इन दो बेटियों का हाथ पकड़ने का श्रेय मिला।''

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 'संक्षिप्त महाभारत' पुस्तक के आधार पर दीजिए। (1 × 5 = 5)

(क) धृतराष्ट्र को युद्ध का वर्णन कौन सुना रहा था?

(ख) राजा शल्य माता माद्री का क्या लगता था?

(ग) कीचक की बहन कौन थी?

(घ) देवलोक की किस अप्सरा ने अर्जुन को शाप दिया था?

(ङ) कुंती के पिता कौन थे?

12. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। (2)

(क) ..... के दरबार में ..... और अभिमन्यु का विवाह हुआ।

(ख) महर्षि ..... ने युधिष्ठिर को ..... यज्ञ करने की सलाह दी।

13. किसने, किससे कहा– (3)

(क) ''मैं जब भी वन जलाता हूँ इन्द्रदेव वर्षा करके बुझा देते है।''

(ख) ''तुम धैर्य की मर्यादा भूल गए थे। तुमने कौरव वंश को कलंकित करने वाला कार्य किया है।''

(ग) ''जिन दुष्ट हाथों ने द्रोपदी के केश खींचे हैं उन हाथों को मैं युद्ध में उखाड़ फेकूँगा।''



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



आदर्श प्रश्न-पत्र अद्र्धवार्षिक परीक्षा
(हल सहित)

समय : 2 घण्टे 30 मिनट | अधिकतम अंक : 80

**निर्देश :-**

(क) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'
(ख) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
(ग) यथासंभव प्रश्नों के, उपभागों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

## खंड 'क'

1. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

संकटों से वीर घबरातें नहीं, आपदाएँ देख छिपजाते नहीं।
लग गए जिस काम में, पूरा किया, काम करके व्यर्थ पछताते नहीं।।
हो सरल अथवा कठिन हो रास्ता, कर्मवीरों को न इससे वास्ता।
बढ़ चले तो अंत तक ही बढ़ चले, कठिनतर गिरिश्रृंग ऊपर चढ़ चले।।
कठिन पथ को देख मुस्काते सदा, संकटों के बीच वे गाते सदा।
है असंभव कुछ नहीं उनके लिए, सरल-संभव कर दिखाते वे सदा।।
यह असंभव कायरों का शब्द है, कहा था नेपोलियन ने एक दिन।
सच बताऊँ, जिंदगी की व्यर्थ है, दर्प बिन, उत्साह बिन, और शक्ति बिन।।

(क) वीरों की विशेषताएँ हैं - (1)
(*i*) संकट से न घबराना (*ii*) कार्य पूरा करना
(*iii*) कार्य करके पछतावा न करना (*iv*) उपुर्यक्त सभी

(ख) 'असंभव कायरों का शब्द है' - किसने कहा ? (1)
(*i*) नेपोलियन (*ii*) कालिदास (*iii*) सीज़र (*iv*) प्लूटो

(ग) ज़िंदगी किसके बिना व्यर्थ है - (1)
(*i*) दर्प, शक्ति, सरलता (*ii*) संकट, कर्म, धर्म (*iii*) दर्प, उत्साह, शक्ति (*iv*) उपर्युक्त सभी

(घ) कविता का शीर्षक हो सकता है - (1)
(*i*) धर्मवीर (*ii*) आपदाएँ (*iii*) कायरता (*iv*) कर्मवीर

(ङ) कविता के माध्यम से कवि कहना चाहता है - (1)
(*i*) सरल कर्म करो (*ii*) आपदाओं से बचो
(*iii*) कुछ भी असंभव नहीं है (*iv*) उपुर्यक्त (*i*) तथा (*ii*)



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



(च) 'कायर' का विलोम है – (1)

(*i*) वीरता (*ii*) साहस (*iii*) सरल (*iv*) वीर

(छ) 'व्यर्थ' का वर्ण-विच्छेद है – (1)

(*i*) व्+अ+य्+अ+थ्+र्+अ (*ii*) व्+य्+अ+र्+थ्+अ

(*iii*) व्+य्+अ+थ्+र्+अ (*iv*) व्+य्+अ+र्+अ+थ्+अ

(ज) अंतिम पंक्ति में 'स्वाभिमान' के लिए कौन सा शब्द प्रयोग हुआ है –

(*i*) दर्प (*ii*) उत्साह (*iii*) शक्ति (*iv*) उपर्युक्त सभी

(झ) 'पथ' का समानार्थी है – (1)

(*i*) वीर (*ii*) कायर (*iii*) राह (*iv*) उपर्युक्त सभी

(ञ) 'संकटों के बीच वे गाते सदा' में 'वे' प्रयुक्त हुआ है – (1)

(*i*) कायरों के लिए (*ii*) कर्मशील व्यक्ति के लिए

(*iii*) स्वाभिमान के लिए (*iv*) उत्साह के लिए

## खंड 'ख'

2. 'जैसी करनी वैसी भरनी' विषय पर एक कहानी लिखिए। (5)

अथवा

'सत्संगति' विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए।

3. अपने मित्र को उसकी बहन की शादी पर बधाई देते हुए तथा अपने न आने का कारण बताते हुए पत्र लिखिए। (5)

## खंड 'ग'

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए –

(क) किरण, अग्नि, माँ (दो-दो पर्यायवाची लिखिए) (3)

(ख) निंदा, सरल, उदय, ऋण (विलोम शब्द लिखिए) (2)

(ग) (*i*) जिसके पास पुस्तक है, वह मेरी बहन है। (सर्वनाम छाँटते हुए भेद बताइए) (3)
(*ii*) तुम कहाँ जा रहे हो।
(*iii*) मेरी पुस्तक चोरी हो गयी है।

(घ) (*i*) मैंने ब्राह्मण को धन दिया। (कारक छाँटकर भेद का नाम लिखिए) (3)
(*ii*) पिताजी सबके लिए फल लाए।
(*iii*) अरे राम! ये तुमने क्या कर डाला।

(ङ) (*i*) आसमान गिरना (मुहावरों का वाक्य बनाइए) (2)
(*ii*) आग बबूला होना
(*iii*) आँखे दिखाना

5. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। (5)

(क) भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान कराने वाला शास्त्र ..... कहलाता है।



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



(ख) भारतीय संविधान में ..... भाषाओं की स्वीकृति दी गई है।

(ग) हिंदी वर्णमाला में कुल ..... ह्रस्व तथा ..... दीर्घ स्वर है।

(घ) शब्द ..... के मेल से बनते हैं।

6. (क) तत्सम रूप बताइए – हाथ, दूध (1)

(ख) तद्भव रूप बताइए – कार्य, वृद्ध (1)

(ग) रूढ़, यौगिक और योगरूढ़ शब्द छाँटिए – पीतांबर, पंकज, मेज़, विद्यालय (2)

(घ) विराम चिह्न लगाइए – (*i*) माँ ने कहा इस लड़के का मैं क्या करूँ बहुत बोलता है (1)

(*ii*) भ्रष्टाचार एक गंभीर समस्या विषय का अनुच्छेद लिखिए। (1)

## खंड 'घ'

7. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

तरुवर फल नहीं खात है, सरवर पियत न पान।
कहि रहीम परकाज हित, संपति–सचहिं सुजान।।

(क) प्रस्तुत दोहे के कवि का नाम है – (1)

(*i*) रहीम (*ii*) कबीर (*iii*) शिवमंगल सिंह 'सुमन'

(ख) प्रस्तुत कविता का नाम है – (1)

(*i*) रहीम के दोहे (*ii*) कबीर के दोहे (*iii*) हम पंछी उन्मुक्त गगन के

(ग) सज्जनों की संपत्ति किसलिए होती है – (1)

(*i*) स्वार्थ पूर्ति के लिए (*ii*) जोड़ने के लिए (*iii*) परोपकार के लिए

(घ) वृक्ष व सरोवर किस तरह परोपकार करते हैं। (1)

(*i*) फल दूसरों को देकर (*ii*) पानी दूसरों को देकर (*iii*) उपर्युक्त दोनों प्रकार से

(ङ) 'सुजान' शब्द का पर्यायवाची है – (1)

(*i*) सज्जन (*ii*) दुर्जन (*iii*) स्वार्थी व्यक्ति

(च) पद्यांश में व्यक्तिवाचक संज्ञा है – (1)

(*i*) सरवर (*ii*) तरुवर (*iii*) रहीम

8. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

काका कालेलकर ने नदियों को लोकमाता कहा हैं। किंतु माता बनने से पहले यदि हम इन्हें बेटियों के रूप में देख लें तो क्या हर्ज है? और थोड़ा आगे चलिए..... इन्हीं में अगर हम प्रेयसी की भावना करें तो कैसो रहेगा? ममता का एक और भी धागा है, जिसे हम इनके साथ जोड़ सकते है। बहन का स्थान कितने कवियों ने इन नदियों को दिया है।

(क) पाठ तथा लेखक का नाम लिखिए। (1)



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



(ख) लेखक ने नदियों को किन-किन रुपों में देखा है। (2)

(ग) कुछ प्रमुख नदियों के नाम पाठ के आधार पर लिखिए। (1)

(घ) गद्यांश से दो संज्ञा शब्द छाँटकर लिखिए। (1)

(ङ) काका कालेलकर ने नदियों को किस रूप में देखा है? (1)

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए - (3 × 3 = 9)

(क) माधव दास के बार-बार समझाने पर भी चिड़िया सुख-सुविधाओं को कोई महत्व क्यों नहीं दे रही थी?

(ख) रहीम के अनुसार मित्रता के क्या लक्षण हैं?

(ग) काका कालेलकर ने नदियों को लोकमाता क्यों कहा है?

(घ) 'मेरी माँ ने मुझे अपनी प्रसिद्धि को विनम्रता से संभालने की सीख दी है' धनराज की इस बात का क्या अर्थ है।

10. आशय स्पष्ट कीजिए - (2 × 2 = 4)

(क) ''मेरी माँ ने मुझे अपनी प्रसिद्धि को विनम्रता के साथ संभालने की सीख दी है।''

(ख) ''हिमालय को ससुर और समुद्र को उसका दामाद कहने में कुछ भी झिझक नहीं होती है।''

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 'संक्षिप्त महाभारत' पुस्तक के आधार पर दीजिए। (1 × 5 = 5)

(क) अज्ञातवास के समय द्रोपदी का नाम क्या था?

(ख) युधिष्ठिर को किसने राजसूय यज्ञ करने की सलाह दी?

(ग) हिडिम्बा व भीम के पुत्र का नाम था?

(घ) अज्ञातवास में पांडवों ने किस वृक्ष पर अपने अस्त्र छुपाए थे?

(ङ) चित्रांगदा व अर्जुन के पुत्र का क्या नाम था?

12. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। (2)

(क) ..... ने मतस्य भेदन करके ..... से विवाह किया।

(ख) सैरंध्री ने बताया कि ..... ने राजकुमार ..... का सारथी होना स्वीकार कर लिया है।

13. किसने, किससे कहा - (3)

(क) "जब तुम्हारी माँ तुम्हें जन्म देते ही तुरंत मार डालेगी, तभी तुम्हें शाप से मुक्ति मिलेगी।"

(ख) "रानी! तुम्हें किसने शाप दिया!"

(ग) "यह तपोभूमि है, यहाँ कोई अस्त्र लेकर नहीं चलता।"



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



आदर्श प्रश्न-पत्र अर्द्धवार्षिक परीक्षा

(हल)

## खंड 'क'

उ०1. (क) उपर्युक्त सभी (ख) नेपोलियन (ग) दर्प, उत्साह, शक्ति
(घ) कर्मवीर (ङ) कुछ भी असंभव नहीं है (च) वीर
(छ) व्+य्+अ+र्+थ्+अ (ज) दर्प (झ) राह
(ञ) कर्मशील व्यक्ति के लिए

## खंड 'ख'

उ०2. सत्संगति

''कदली, सीप, भुजंग मुख स्वाति एक गुण तीन।
जैसी संगति बैठिए, तैसोइ फल दीन।।''

जल की बूंद केले का साथ पाकर कपूर, साँप का साथ पाकर विष तथा सीपी का साथ पाकर मोती बन जाती है। सत्संगति का अर्थ है - अच्छी संगति। यह दो शब्दों से मिलकर बना है - सत् और संगति। अच्छी संगति का अर्थ है - ऐसे सत्पुरुषों का साथ, जिनके विचार अच्छी दिशा की ओर ले जाएँ। उत्तम प्रवृत्ति के मनुष्यों के साथ उठना बैठना ही सत्संगति है। वातावरण अच्छा मिले तो वह कल्याण के मार्ग पर ले जाता है पर यदि वह दूषित हो तो वह अवनति के गड्ढे में गिरता है। लोहा पारस की संगति पाकर सोना बन जाता है। एक कीड़ा भी पुष्प की संगति पाकर देवताओं के सिर पर चढ़ता है। साधारण मनुष्य भी सद्पुरुषों की, साधु-संन्यासियों की, विद्वानों की संगति प्राप्त कर सद्गुणों का विकास करता है। गौतम बुद्ध के सम्पर्क में जाने से अंगुलिमाल जैसा हत्यारा भी सुधर जाता है। यह व्यक्ति को पतन से बचाकर पवित्र बनाती है। हमें कुमार्ग से हटाकर सन्मार्ग पर ले जाती है। इस प्रकार मनुष्य की प्रगति तथा उन्नति सुसंगति में ही है। कहा भी गया है -

कबिरा संगत साधु की, हरे और की व्याधि।
संगत बुरी असाधु की, आठों पहर उपाधि।।

उ०3. परीक्षा भवन
क ख ग नगर
13/फरवरी/2009
प्रिय मित्र,
सप्रेम नमस्ते

तुम्हारा पत्र मिला। पढ़कर बहुत खुशी हुई कि दीदी का विवाह निश्चित हो गया है। आखिर वह दिन आ ही गया जिसका हम सब स्वप्न देख रहे थे। इसके लिए तुम्हें, दीदी को और अंकल-आंटी को हार्दिक बधाई।



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



संयोग की बात देखो, जिस समारोह का वर्षों से इंतज़ार था वह संपन्न होने जा रहा है और इस अवसर पर उपस्थित न हो सकूँगा। 10 मार्च का विवाह है और 11 मार्च को सुबह सात बजे मेरे मैडिकल की प्रवेश परीक्षा है। चाह कर भी मैं इस मौके पर उपस्थित नहीं हो सकता।

अतः मुझे शादी पर न आने के लिए क्षमा करना। लेकिन शादी के हर पल की फोटो और वीडियो मेरे लिए लेकर रखना, ताकि मैं सारे समारोह को वीडियो पर देख कर उपस्थित रहने की कल्पना कर सकूँ।

घर में सबको नमस्ते कहना। चाचा जी को मेरी चरण वंदना, दीदी को प्रणाम।

तुम्हारा मित्र

क. ख. ग

## खंड 'ग'

उ०4. (क) किरण :- अंशु, रश्मि अग्नि :- आग, पावक माँ :- अंबा, जननी

(ख) निंदा :- प्रशंसा सरल :- कठिन / आसान उदय :- अस्त ऋण :- उऋण

(ग) (*i*) जिसके, वह - संबंधवाचक सर्वनाम (*ii*) कहाँ - प्रश्नवाचक सर्वनाम

(*iii*) मेरी - उत्तम पुरूषवाचक सर्वनाम

(घ) (*i*) ब्राह्मण को :- संप्रदान (*ii*) सबके लिए :- संप्रदान

(*iii*) अरे राम - विस्मयादि कारक

(ङ) (*i*) अध्यापक के जाते ही बच्चों ने आसमान सिर पर उठा लिया

(*ii*) पुत्र के कम अंक देखकर माँ आग बबूला हो गई।

(*iii*) शरारत करते बेटे को रोकने के लिए पिता ने आँखें दिखाईं।

उ०5. (क) भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान कराने वाला शास्त्र व्याकरण कहलाता है।

(ख) हिंदी वर्णमाला में कुल चार ह्रस्व तथा सात दीर्घ स्वर हैं।

(ग) शब्द वर्णों के मेल से बनते हैं।

उ०6. (क) तत्सम रूप बताइए - हाथ :- हस्त दूध :- दुग्ध गर्दन :- ग्रीवा दही :- दधि

(ख) तद्भव रूप बताइए - कार्य :- काम वृद्ध :- बूढ़ा ओष्ठ :- ओठ मुख :- मुँह

(ग) रूढ़ - मेज यौगिक - विद्यालय योगरूढ़ - पीताम्बर, पंकज

(घ) विराम चिह्न लगाइए - (*i*) माँ ने कहा - "इस लड़के का मैं क्या करूँ? बहुत बोलता है।"

(*ii*) 'भ्रष्टाचार : एक गंभीर समस्या' विषय पर अनुच्छेद लिखिए।

## खंड 'घ'

उ०7. (क) कवि - रहीम (ख) कविता - रहीम के दोहे (ग) परोपकार के लिए

(घ) उपर्युक्त दोनो प्रकार से (ङ) सज्जन (च) रहीम



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



उ०8. (क) पाठ – हिमालय की बेटियाँ, लेखक – नागार्जुन।
(ख) लेखक ने नदियों को लोकमाता के साथ-साथ, माता, बहन व प्रेयसी के रुप में देखा है।
(ग) कुछ प्रमुख नदियाँ जैसे – सिंधु, गंगा, यमुना, सतलुज, रावी, व्यास व ब्रह्मपुत्र आदि।
(घ) नदियों, माता।
(ङ) लोकमाता के रूप में।

उ०9. (क) माधवदास के बार-बार समझाने पर भी चिड़िया सुख-सुविधाओं को कोई महत्व इसलिए नहीं दे रही थी क्योंकि स्वतंत्रता सभी को प्रिय होती है। एक पक्षी भी पिंजरे में रहने की अपेक्षा स्वतंत्र विचरण करना अधिक पसंद करता है अतः चिड़िया को भी माधवदास के प्रलोभनों से कहीं अधिक अपनी आज़ादी प्रिय थी।
(ख) रहीम जी के अनुसार जो मित्र विपत्ति में मुँह न मोड़े, सदैव साथ निभाए वही वास्तव में मित्र होता है। सुख में साथ सभी देते हैं, जो विपत्ति में साथ दे, वही सही अर्थों में हमारा सच्चा मित्र है।
(ग) काका कालेलकर ने नदियों को लोकमाता इसलिए कहा है क्योंकि भारतीय संस्कृति में गंगा, यमुना आदि नदियों को माँ का स्थान प्राप्त है। जिस प्रकार माँ हमारा पालन पोषण करती है उसी प्रकार नदियाँ हमें पीने का पानी, सिंचाई द्वारा खाद्य सामग्री तथा बिजली इत्यादि उपलब्ध कराकर जीवन यापन में सहयोग देती है। हमारी सभी भूलों को क्षमा भी करती है।
(घ) 'मेरी माँ ने मुझे अपनी प्रसिद्धि को विनम्रता से संभालने की सीख दी है' धनराज की इस बात का अर्थ है कि जब कोई कामयाबी को हासिल कर लेता है तो उसे अपनी नम्रता नहीं त्यागनी चाहिए, घमंड नहीं करना चाहिए बल्कि सभी के साथ नम्र व सभ्य व्यवहार रखना चाहिए यही सीख धनराज जी की माँ ने उन्हें सदैव दी थी।

उ०10. आशय –

(क) प्रस्तुत पंक्तियाँ 'संघर्ष के कारण 'मै तुनकमिज़ाज हो गयाः धनराज' पाठ से ली गई है। इन पंक्तियों में धनराज अपने साक्षात्कार में कहते हैं कि यह आवश्यक नहीं है कि जो व्यक्ति समाज में प्रसिद्ध होता है वह धन सम्पन्न भी हो अर्थात व्यक्ति के पास प्रसिद्धि के साथ-साथ धन का होना आवश्यक नहीं है।
(ख) प्रस्तुत पंक्तियाँ 'हिमालय की बेटियाँ' पाठ से ली गई है। यहाँ पर नागार्जुन जी कहते है कि नदियाँ हिमालय की बेटियाँ हैं। वे समुद्र में जाकर जाकर मिलती है अर्थात समुद्र उनका हाथ थामता है। इस रिश्ते से यदि समुद्र और मिहालय को आपस में दामाद व ससुर माना जाए तो कुछ गलत नहीं है।

उ०11. (क) अज्ञातवास के समय द्रौपदी का नाम सैरंध्री था।
(ख) युधिष्ठिर को महर्षि नारद ने राजसूय यज्ञ करने की सलाह दी।
(ग) हिडिम्बा व भीम के पुत्र का नाम घटोत्कच था।
(घ) अज्ञातवास में पांडवों ने शमी नामक वृक्ष पर अपने अस्त्र छुपाए थे।
(ङ) चित्रांगदा व अर्जुन के पुत्र का नाम बभ्रुवाहन था।

उ०12. (क) अर्जुन ने मतस्य भेदन करके द्रौपदी से विवाह किया।
(ख) सैरंध्री ने बताया कि वृहन्नला ने राजकुमार उत्तर कुमार का सारथी होना स्वीकार कर लिया है।

उ०13. (क) वसुओं ने वशिष्ठ से



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



(ख) राजा शांतनु ने गंगा से

(ग) इंद्र ने अर्जुन से

उ०14. (क) ''जब तुम्हारी माँ तुम्हें जन्म देते ही तुरंत मार डालेगी, तभी तुम्हें शाप से मुक्ति मिलेगी।'' यह संवाद वसुओं से महामुनि वशिष्ठ ने कहा।''

(ख) ''रानी! तुम्हें किसने शाप दिया।'' यह सवांद राजा शांतनु ने गंगा से कहा।

(ग) ''यह तपोभूमि है, यहाँ कोई अस्त्र लेकर नहीं चलता।'' यह सवांद साधु के रुप में इंद्र देवता ने अर्जुन से कहा।



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



**Module – 10**

वसंतः दादी माँ

व्याकरणः (1) विशेषण व भेद (2) पत्र (औपचारिक) (3) अपठित गद्यांश

शिक्षण उद्देश्यः

1. साहित्य की गद्य विधा कहानी से परिचित करना।
2. विशेषण शब्द का परिचय व प्रयोग की जानकारी देना।
3. पत्र का प्रारूप देकर पत्र लेखन के लिए प्रेरित करना।

रचनात्मक कार्यः

1. कहानी को संवाद लेखन के रूप में परिवर्तित करवाना।
2. ऐसी ही और मनोरंजक कहानियाँ खाली समय में पढ़ें।

---

**MODULE – 11**

संक्षिप्त महाभारतः (1) भीष्म पर्व (2) द्रोण पर्व

व्याकरणः (1) उपसर्ग तथा प्रत्यय (2) अनुच्छेद लेखन

शिक्षण उद्देश्यः

1. महाभारत के युद्ध में कौरवों की चक्रव्यूह योजना से परिचित करना।
2. ग्यारहवें से सत्रहवें दिन के युद्ध की जानकारी देना।
3. शब्द भंडार में अभिवृद्धि करना।
4. लेखन के लिए प्रेरित करना।

रचनात्मक कार्यः

1. हिन्दी शब्द कोश का प्रयोग करना।
2. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखना।

---

**MODULE – 12**

वसंतः भोर और बरखा

संक्षिप्त महाभारतः कर्ण पर्व

व्याकरणः (1) वाक्यांशों के लिए एक शब्द (2) अनेकार्थी (3) अपठित गद्यांश

शिक्षण उद्देश्यः

1. भारतीय संस्कृति के विषय में तथा मध्यकालीन भक्त कवियों के विषय में जिज्ञासा उत्पन्न कराना।
2. कृष्ण भक्ति में तल्लीन मीराबाई के जीवन व चरित्र के बारे में जानकारी देना।
3. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखने का अभ्यास कराना।
4. अपठित गद्यांश को पढ़कर उत्तर देने के लिए प्रेरित करना।
5. अनेकार्थी शब्दों का भाषा में उचित प्रयोग कराना।

रचनात्मक कार्यः

1. मीरा के पदों, गीतों व भजनों को गाकर पढ़ने का अभ्यास करना।



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



2. मीरा के कुछ अन्य पदों का संकलन करना।

## MODULE – 13

संक्षिप्त महाभारतः शल्य पर्व तथा सौप्तिक पर्व

व्याकरणः (1) क्रिया (कर्म के आधार पर भेद) (2) पत्र (अनौपचारिक)

शिक्षण उद्देश्यः

1. शल्य के सेनापतित्व से लेकर अश्वत्थामा के मणिहरण तक की घटनाओं की जानकारी देना।
2. समय-परिवर्तन के साथ आए बदलाव को आत्मसात करना।
3. कर्म के आधार पर क्रिया के भेद को स्पष्ट करना।
4. पत्र लेखन की कला का विकास करना।

रचनात्मक कार्यः

1. विभिन्न जातक कथाएँ जैसे 'पंचतंत्र' और 'हितोपदेश' की कहानी पढ़िए।

## MODULE – 14

वसंतः नीलकंठ

व्याकरणः अव्यय (क्रिया विशेषण, संबंध बोधक, समुच्चय बोधक और विस्मयादिबोधक)

शिक्षण उद्देश्यः

1. जीव-जन्तुओं के प्रति अथाह प्रेम और सहानुभूति उत्पन्न करना।
2. साहित्य की गद्य विधा 'रेखाचित्र' से अवगत कराना।
3. कहानी पढ़कर उसका अर्थ ग्रहण करने की क्षमता का विकास करना।
4. क्रिया-विशेषण व उसके भेदों से अवगत करवाना।

रचनात्मक कार्यः

1. अपने परिवार, मित्रों अथवा आस-पड़ोस द्वारा पालित पशु या पक्षी के रूप-रंग, स्वभाव, व्यवहार का अवलोकन कर उसका शब्द चित्र खींचिए।
2. अव्यय शब्दों की तालिका का निर्माण कराना।

## MODULE – 15

वसंतः पापा खो गए

व्याकरणः (1) मुहावरे व लोकोक्तियाँ (2) अपठित गद्यांश

शिक्षण उद्देश्यः

1. जीवन में कभी भी हार न मानने की प्रेरणा देना।
2. विपत्ति में धैर्य से काम लेने की भावना को बढ़ावा देना।
3. मुहावरे व लोकोक्तियों का विशेष अर्थ जानकर वाक्य प्रयोग करना।
4. दृढ़ इच्छा व कठोर परिश्रम जैसे गुणों का विकास करना।

रचनात्मक कार्यः



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



1. 'विपत्ति में ही धैर्य की परीक्षा होती है।' इस कथन को प्रमाणित करने वाली कुछ अन्य कहानियाँ सुनाओ।
2. बहादुरी के ऐसे अन्य कारनामें छात्रों से अलग-अलग सुनाने को कहे जाएँगे।

## MODULE – 16

वसंतः एक तिनका

व्याकरणः (1) अशुद्धि शोधन (शब्द तथा वाक्य) (2) अपठित गद्यांश

शिक्षण उद्देश्यः

1. 'अहंकार मनुष्य का दुश्मन है' जैसी भावनाओं का विकास करना।
2. कविता लेखन की कला से अवगत कराना।
3. भाषा में वर्तनी, कारक, शब्दों की पुनरावृत्ति संबंधी त्रुटियाँ दूर करना।
4. अपठित गद्यांश पढ़कर उत्तर स्वयं लिखने के लिए प्रेरित करना।

रचनात्मक कार्यः

1. कुछ अन्य कविताओं को कक्षा में सुनाना।
2. अपठित गद्यांश पढ़कर उत्तर स्वयं लिखने के लिए प्रेरित करना।

## MODULE – 17

संक्षिप्त महाभारतः स्त्री पर्व तथा शेष पर्वों की कथा

व्याकरणः (1) संवाद लेखन (2) पत्र लेखन (औपचारिक तथा अनौपचारिक)

शिक्षण उद्देश्यः

1. महाभारत के युद्ध के उपरांत की घटनाओं से अवगत कराना।
2. पत्र का प्रारूप देकर पत्र लेखन के लिए प्रेरित करना।
3. विभिन्न काल्पनिक घटनाओं को आधार मानकर संवाद लिखने की क्षमता का विकास करना।
4. संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लेखन के लिए प्रेरित करना।

रचनात्मक कार्यः

1. कहानी को संवाद शैली में लिखना व संवाद बोलना।
2. पत्र-लेखन का अभ्यास करना।

## MODULE – 18

शिक्षण उद्देश्यः

वार्षिक परीक्षा के पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति कराई जाएगी।



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



**Module – 10**

दादी माँ

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपर्वूक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

दादी माँ को गँवई-गाँव की पचासों किस्म की दवाओं के नाम याद थे। गाँव में कोई बीमार होता, उसके पास पहुँचतीं और वहाँ भी वही काम। हाथ छूना, माथा छूना, पेट छूना। फिर भूत से लेकर मलेरिया, सरसाम, निमोनिया तक का अनुमान विश्वास के साथ सुनातीं। महामारी और विशूचिका के दिनों में रोज़ सेवेरे उठकर स्नान के बाद लवंग और गुड़-मिश्रित जलधार, गुग्गल और धूप। सफ़ाई कोई उनसे सीख ले।

(क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए।
(ख) दादी माँ किन-किन बीमारियों का अनुमान लगाती थी?
(ग) बीमार होने पर दादी माँ का क्या काम होता?
(घ) महामारी और विशूचिका के दिनों में दादी माँ क्या करती थीं?

'विशेषण व उसके भेद'

1. निम्नलिखित वाक्यों में विशेषण छाँटकर, भेद का नाम भी लिखिए –

(क) नृत्य के लिए मुझे सफ़ेद लहंगा पहनना है।
(ख) उस व्यक्ति को बुलाओ।
(ग) बाज़ार से दस किलो चावल ले आओ।
(घ) तुम बहुत मिठाई खाते हो।
(ङ) बाहरी दीवार टूट गई।

2. विशेषण बनाने हेतु सही विकल्प चुनिए –

(क) बुराई – बुरा, बूरा, भूरा
(ख) रक्षा – रिक्शा, रक्षक, लक्षित
(ग) दिन – दिवस, दैनिक, दीन
(घ) चंचलता – चंचल, चालाक, चतुर
(ङ) राष्ट्र – राष्ट्रीयता, राष्ट्रीय, राष्ट्रों

अपठित गद्यांश तथा पत्र (औपचारिक)

1. अपना टेलीफोन खराब होने की शिकायत करते हुए महानगर टेलीफोन निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक को पत्र लिखिए।

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

किसी तपोवन में एक आश्रम था। उसमें रहने वाले महात्मा का नाम अग्निवेश था। अग्निवेश के शिष्यों ने यह प्रचार किया कि 'उसके गुरु पापों से छुटकारा दिला देते हैं।' लोग बड़ी श्रद्धा से उस आश्रम में आते थे। अग्निवेश के प्रवचन से सभी प्रभावित थे। एक दिन एक जिज्ञासु आया। उसने अग्निवेश को प्रणाम किया। स्वामी जी द्वारा पूछे जाने पर उसने अपना नाम 'सुश्रावक' बताया। सुश्रावक बोला, ''हे मुनिराज! आप धन्य हैं, परम पूज्य हैं। आप जैसा महात्मा इस धरती पर कोई दूसरा नहीं होगा।'' अग्निवेश ने उसे बीच में रोक कर पूछा – 'तुम मेरी प्रशंसा क्यों कर रहे हो?' उसने कहा – ''मैंने सुना है कि आप लोगों के पाप लेकर उन्हें पापों से छुटकारा दिला देते हैं।''

(क) महात्मा का क्या नाम था?
(*i*) स्वामी जी (*ii*) सुश्रावक (*iii*) अग्निवेश (*iv*) मुनिराज



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



(ख) महात्मा के आश्रम में आने वाले व्यक्ति ने अपना नाम क्या बताया?

(*i*) सुश्रावक (*ii*) नारद (*iii*) अग्निवेश (*iv*) कोई भी नहीं

(ग) उनके शिष्यों ने क्या प्रचार किया?

(*i*) उनके गुरु पापों से छुटकारा दिला देते हैं (*ii*) धरती पर उनके जैसा कोई नहीं

(*iii*) उनके गुरु सबसे अलग हैं (*iv*) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(घ) 'जानने की इच्छा रखने वाला' के लिए उपर्युक्त अनुच्छेद से छाँटकर उचित शब्द लिखिए।

(*i*) तपोवन (*ii*) जिज्ञासु (*iii*) प्रवचन (*iv*) प्रभाव

---

**Module – 11**

## संक्षिप्त महाभारत 'भीष्म पर्व'

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) कुरुक्षेत्र में कौरवों की ..... सेना ..... के नेतृत्व में युद्ध के लिए तैनात थी।

(ख) पराक्रमी सेनापति ..... के नेतृत्व में पांडवों की ..... सेना युद्ध के लिए उतावली हो रही थी।

(ग) अर्जुन के रथ के सारथी ..... थे। अर्जुन के रथ की ध्वजा पर ..... विराजमान थे।

(घ) अर्जुन ने ..... नामक शंख बजाकर युद्ध की घोषणा की।

(ङ) आठवें दिन अर्जुन की दूसरी पत्नी ..... से उत्पन्न पुत्र महारथी ..... युद्ध करते-करते मारा गया।

(च) कर्ण ने कहा कि मैंने प्रतिज्ञा की थी कि मैं ..... के रहते शस्त्र नहीं उठाऊँगा।

(छ) नवें दिन ..... के तीक्ष्ण बाणों को अर्जुन सँभाल न सका।

(ज) युद्ध के दसवें दिन ..... को देखते ही भीष्म ने अस्त्र त्याग दिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) अर्जुन ने शरशय्या पर लेटे पितामह को तकिया कैसे प्रदान किया?

(ख) पितामह ने कर्ण को क्या बताया?

(ग) शिखंडी पूर्व जन्म में कौन था?

## संक्षिप्त महाभारत 'द्रोण पर्व'

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त महाभारत के आधार पर दीजिए –

(क) निम्नलिखित वाक्यों के आगे सही या गलत का चिह्न लगाइए।

(*i*) कौरवों ने कर्ण को सेनापति बनाया। ( )

(*ii*) बारहवें दिन युद्ध में अर्जुन ने युधिष्ठिर की रक्षा के लिए सत्यजित को नियुक्त किया। ( )

(*iii*) अर्जुन ने मानवास्त्र चलाकर त्रिगर्त की संपूर्ण सेना को मार डाला। ( )

(*iv*) अर्जुन ने अगले दिन सूर्यास्त तक जयद्रथ वध की प्रतिज्ञा की। ( )

(*v*) श्रीकृष्ण ने योगबल से सुदर्शन चक्र से सूर्य को ढक लिया। ( )

(*vi*) कर्ण ने घटोत्कच पर वायव्य अस्त्र का प्रयोग किया। ( )



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



(*vii*) युद्ध भूमि में मारा गया अश्वत्थामा एक हाथी था। ( )

(ख) किसने किससे कहा –

(*i*) "हम सब आपको कौरवों की सेना का सेनापति बनाना चाहते हैं।"

(*ii*) "अगर अभिमन्यु को रोका न गया तो वह समस्त कौरव सेना का संहार कर डालेगा।"

(*iii*) "क्षत्रिय अपने अस्त्र लेकर चिता पर चढ़ता है।"

(*iv*) "मैंने अपनी प्रतिज्ञा पूरी कर ली है। अब दुर्योधन की बारी है।"

(*v*) "अभिमन्यु को मारते समय, विराट की गौओं को चुराते समय, द्रौपदी का अपमान होते समय तुम्हारा धर्म कहाँ था।"

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए –

(*i*) घटोत्कच किस शस्त्र से मारा गया?

(*ii*) द्रोणाचार्य ने अस्त्र-शस्त्र क्यों फेंक दिए?

(*iii*) द्रोण का वध किसने किया?

(*iv*) कर्ण ने नकुल को क्यों छोड़ दिया?

(*v*) दुःशासन को किसने मारा?

(*vi*) कर्ण के द्वारा दिव्य बाण छोड़ने पर श्रीकृष्ण ने क्या किया?

## व्याकरण – 'उपसर्ग-प्रत्यय'

1. दिए गए शब्दों में से उपसर्ग व मूल शब्द छाँटिए –

(क) दुर्जन (ख) दुस्साहस (ग) परिवहन (घ) अनुचित (ङ) समन्वित

2. दिए गए शब्दों में उचित उपसर्ग लगाकर नये शब्द बनाइए –

(क) यश (ख) पति (ग) उपकार (घ) इच्छा (ङ) उत्साह

3. निम्न शब्दों में से मूल शब्द व प्रत्यय अलग कीजिए –

(क) थकावट (ख) सौदागर (ग) मरियल (घ) सपेरा (ङ) रोज़ाना

4. दिए गए शब्दों में प्रत्यय लगाकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

(क) महिमा ..... औरत है। (घर)

(ख) विनीत की वाणी में ..... है। (मीठा)

(ग) रीना का स्वर अत्यंत ..... है। (सुर)

(घ) हीटर चला तो ..... महसूस हुई। (गरम)

(ङ) ..... मन को अशांत करती है। (लड़)

5. 'प्रातः काल का भ्रमण' विषय पर अनुच्छेद लिखिए –

---

**Module – 12**

## वसंत – भोर और बरखा



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



1. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए–

जागो बंसीवारे ललना।
जागो मोरे प्यारे।
रजनी बीती भोर भयो है, घर-घर खुले किवारे।
गोपी दही मथत, सुनियत हैं कंगना के झनकारे।।
उठो लाल जी! भोर भयो है; सुर-नर ठाढ़े द्वारे।
ग्वाल-बाल सब करत कुलाहल, जय-जय सबद उचारै।।
माखन रोटी हाथ मँह लीनी, गउवन के रखवारे।
मीरा के प्रभु गिरधर नागर, सरण आयाँ को तारै।।

(क) कवि का नाम है –
(*i*) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (*ii*) महादेवी वर्मा
(*iii*) सूरदास (*iv*) मीराबाई

(ख) सुबह होने पर क्या खुल गए हैं –
(*i*) खिड़की (*ii*) दरवाजे (*iii*) कंगना (*iv*) भोर

(ग) किसकी झनकार सुनाई दे रही है?
(*i*) चूड़ी (*ii*) पायल (*iii*) कंगन (*iv*) बिछुआ

(घ) 'लाल-जी' का अर्थ है –
(*i*) ग्वाल-बाल (*ii*) गोपी (*iii*) पुत्र (*iv*) लाल-रंग

(ङ) ग्वाल-बाल क्या कर रहे हैं –
(*i*) शोर (*ii*) खेल (*iii*) नारे (*iv*) सभी कुछ

## 'कर्ण पर्व'

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

(क) युद्ध के ..... दिन दुर्योधन ने सर्व सम्मति से ..... को सेनापति पद पर आसीन किया।

(ख) कर्ण की बात ..... से ..... से कही और उनसे कर्ण का सारथी बनने की प्रार्थना की।

(ग) शल्य ने कहा कि मुझे अपनी ..... पर भरोसा नहीं, ..... मेरी बात पर नाराज़ होकर कुछ उल्टा न कर बैठे।

(घ) युद्ध में शल्य ..... को ..... करते हुए ..... की प्रशंसा करते रहे।

(ङ) कर्ण ने ..... के ..... की प्रत्यंचा काट दी। जब तक अर्जुन ..... चढ़ाते, कर्ण ने बाणों से अर्जुन का ..... जर्जर कर दिया।

(च) अर्जुन ने ..... करके आँखे खोली और ..... चलाकर कर्ण का सिर ..... से अलग कर दिया।



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



(छ) ..... ने मृत्यु को गले लगाना बेहतर समझा पर ..... के समक्ष ..... नहीं की।

व्याकरण – 'वाक्यांश के लिए शब्द'

1. रेखांकित शब्दों के स्थान पर एक शब्द लिखकर वाक्य पुनः लिखिए –
   (क) न्यायालय में जिस पर मुकदमा चल रहा था, उसे प्रतिदिन कटघरे में खड़ा कर दिया जाता था।
   (ख) पांडवों के बड़े भाई युधिष्ठिर धर्म पर विश्वास रखते थे।
   (ग) तुम्हारे सभी तर्क बिना किसी आधार के हैं, ठोस सबूतों के साथ बात करो।
   (घ) हमीर ने कहा, "शरण में आए हुए की रक्षा करना उनका धर्म है।"
   (ङ) सचिन तेंदुलकर का नाम संसार में सबसे आगे गिने जाने वाले बल्ले बाजों में आता है।

2. निम्न शब्दों के लिए वाक्यांश लिखिए –
   (क) अदम्य (ख) मितभाषी (ग) जिज्ञासु (घ) अजातशत्रु (ङ) अभूतपूर्व

अनेकार्थी शब्द

1. रेखांकित शब्दों के अर्थ कोष्ठक में लिखिए –
   (क) सुरों और असुरों ने मिलकर समुद्र मंथन किया। ( )
   (ख) हमारे देश में अनेक कल-कारखाने हैं। ( )
   (ग) यह रास्ता आम नहीं है। ( )
   (घ) रमेश की अपेक्षा सुरेश अधिक बलवान है। ( )
   (ङ) हमारी अध्यापिका ने हमें कुछ आदर्श उत्तर लिखवाए। ( )

2. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो भिन्न अर्थ लिखकर वाक्य भी बनाइए –
   (क) अक्षर (ख) भूत (ग) काल (घ) कुल (ङ) आम

---

**Module – 13**

संक्षिप्त महाभारत 'शल्य पर्व'

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त महाभारत के आधार पर दीजिए –
   (क) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –
      (*i*) कौरवों ने ..... नामक व्यूह की रचना की, तो पांडवों ने ..... नामक व्यूह की रचना की।
      (*ii*) जैसे ही शल्य ..... को मारने दौड़े उसी समय युधिष्ठिर ने प्राण घातक अस्त्र चलाकर ..... ..... को वहीं ढेर कर दिया।
      (*iii*) सहदेव को ..... के ..... का स्मरण हो आया, जब ..... का अपमान हुआ था।



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



(*iv*) सहदेव जैसे ही ..... को मारने लगे ..... का पुत्र ..... पिता की सहायता के लिए आगे आया।

(*v*) दुर्योधन डर के मारे एक ..... में बनाए ..... में जा छिपा।

(*vi*) जैसे-जैसे युद्ध बढ़ता जा रहा था ..... की ..... भी बढ़ती जा रही थी। ..... ने भीम को ..... पर थपकी देकर संकेत दिया।

(ख) किसने, किससे कहा –

(*i*) ''दुर्योधन को मार कर ही तुम्हें विजय मिलेगी, उसे खोज कर उसका वध करना होगा।''

(*ii*) ''कुछ भी हो जाए, मैं पांडवों का वध अवश्य करुँगा।''

## 'सौप्तिक पर्व'

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त महाभारत के आधार पर दीजिए –

(क) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

(*i*) कृपाचार्य ..... तथा ..... तीनों महारथी शिविर के पास वृक्ष के नीचे विश्राम करने लगे।

(*ii*) कृपाचार्य को ..... की युक्ति ..... लगी, लेकिन जो ..... प्रतिशोध की अग्नि में जल रहा था, उसने किसी की न मानी।

(*iii*) ..... ने सोते हुए ..... का वध कर दिया।

(*iv*) एक अन्य शिविर में जाकर अश्वत्थामा ने ..... पुत्रों को ..... समझकर मार डाला।

(*v*) भीम का सिर हाथ में लेते ही ..... ने उस पर मुक्का मारा, जो सहज ही ..... की तरह फूट गया।

(*vi*) उस समय ..... को बड़ी ग्लानि हुई, इस प्रकार ..... में बिलखते ..... की मृत्यु हो गई।

(*vii*) ..... अपने पुत्रों को मरा देखकर रोती हुई ..... हो गई।

(*viii*) श्रीकृष्ण जानते थे कि ..... के पास ..... नामक अस्त्र है।

(ख) किसने, किससे कहा –

(*i*) ''ठहर जा पापी! मैं आ गया हूँ।''

(*ii*) ''हे वीरों। मनुष्य पर कभी भी ब्रह्मास्त्र का प्रयोग नहीं किया जाता।''

(*iii*) ''तुम अपनी मणि भीम को दे दो।''

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए –

(*i*) अश्वत्थामा ने पांडवों का वध करने की योजना किसे बताई?

(*ii*) भीम को अश्वत्थामा कहाँ मिला?

(*iii*) अंत में अश्वत्थामा कहाँ रहने लगा?

## व्याकरण – 'क्रिया (कर्म के आधार पर)' / पत्र (अनौपचारिक)



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



1. निम्नलिखित वाक्यों में कर्म के आधार पर क्रिया के भेद बताइए –
   (क) मोहन सो रहा है। (ख) उस लड़के को आवाज़ दो।
   (ग) मैंने कार खरीदी। (घ) बच्चे छत पर पतंग उड़ा रहे हैं।
   (ङ) पेड़ पर बैठी चिड़िया उड़ गई।
2. निम्नलिखित वाक्यों के कर्म को रेखांकित कीजिए –
   (क) मोहनीश ने प्रातः कालीन सभा में गीत गाया। (ख) अंकुर ने मुझे एक पुस्तक उपहार में दी।
   (ग) सुनीता बाज़ार से फल लाई। (घ) मैंने माता जी को पत्र लिखा।
   (ङ) विनोद क्रिकेट खेल रहा है।
3. अपने मित्र को कक्षा में प्रथम आने और पुरस्कार मिलने पर बधाई देते हुए पत्र लिखिए।

---

**Module – 14**

वसंत – 'नील कंठ'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –
   राधा ने सहायता देने की आवश्यकता नहीं समझी, परंतु अपनी मंद केका से किसी असामान्य घटना की सूचना सब ओर प्रसारित कर दी। माली पहुँचा, फिर हम सब पहुँचे। नीलकंठ जब साँप के दो खंड कर चुका, तब उस शिशु खरगोश के पास गया और रात भर उसे पंखों के नीचे रखे उष्णता देता रहा।

   (क) पाठ तथा लेखिका का नाम बताइए।
   (ख) नीलकंठ ने साँप के दो खंड क्यों किए?
   (ग) राधा ने सहायता देने की आवश्यकता क्यों नहीं समझी?
   (घ) अर्थ लिखिए – केका, उष्णता।
   (ङ) प्रत्यय बताइए – प्रसारित, उष्णता।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –
   (क) स्टेशन से लौटते हुए लेखिका को चिड़ियों और खरगोशों की दुकान का ध्यान क्यों आया?
   (ख) सबके यह कहने पर कि उन्हें ठग लिया गया है, लेखिका क्यों चिढ़ गई?
   (ग) लेखिका ने मोर और मोरनी को सर्वप्रथम कहाँ रखा और क्यों?
   (घ) नीलकंठ चिड़िया घर के अन्य जीव-जन्तुओं का मित्र भी था और संरक्षक भी। सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

व्याकरण – 'अव्यय'

1. रेखांकित वाक्यों में क्रिया-विशेषण छाँटकर, भेद के नाम लिखिए –
   (क) उसने मेरी ओर देखा।
   (ख) लड़का बाहर खेलने गया और माँ अंदर बैठी है।
   (ग) आज मैंने खूब पढ़ाई की।
   (घ) मोहन आज बाज़ार जाएगा।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति निर्देशानुसार कीजिए –



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



(क) घर ..... भीड़ जमा हो गई थी। (संबंधबोधक द्वारा)
(ख) वह पढ़ता तो है ..... पास नहीं होता। (समुच्चयबोधक द्वारा)
(ग) पानी बरस रहा है ..... मैं बाज़ार नहीं जाऊँगा। (समुच्चयबोधक द्वारा)
(घ) ..... क्या खूब अंक लाए। (विस्मयादिबोधक द्वारा)
(ङ) छात्र कक्षा ..... लिख रहे थे। (संबंधबोधक द्वारा)

## Module – 15

### साहित्य 'पापा खो गए'

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

मैं बच्चे उठाने वाला हूँ। दूसरा कोई काम करने की मेरी इच्छा नहीं होती। अभी थोड़ी देर पहले एक घर से यह लड़की उठाई है मैंने। गहरी नींद सो रही थी। अब तक उठी नहीं है। उठेगी भी नहीं, मैंने इसे थोड़ी बेहोशी की दवा दे दी है। अब मुझे लगी है भूख। दिन भर कुछ खाने का वक्त ही नहीं मिला। पेट में जैसे चूहें दौड़ रहे हों..... तो ऐसा किया जाए..... इसे यहीं लिटाकर अपने लिए जरा कुछ खाने की तलाश करें..... देखें कुछ मिल जाए तो! इतनी रात गए यहाँ इस वक्त किसी का आना मुमकिन नहीं।

(क) पाठ व लेखक का नाम लिखिए।
(ख) बच्चे उठाने वाला किससे बातें कर रहा था?
(ग) गद्यांश में से एक मुहावरा ढूँढकर उसका वाक्य में प्रयोग कीजिए।
(घ) लड़की को लिटाकर वह व्यक्ति कहाँ जाना चाहता था?

### व्याकरण 'मुहावरे व लोकोक्तियाँ तथा अपठित गद्यांश'

1. निम्नलिखित वाक्यों को मुहावरों द्वारा पूरा कीजिए –
(क) पुलिस को देखकर चोर दुम .....।
(ख) यदि तुम सत्य की राह पर चलोगे तो कोई तुम्हारा बाल .....।
(ग) राम ने खून ..... अपने बेटे को पढ़ाया।
(घ) दोनों भाइयों के व्यवहार में आकाश .....।

2. निम्नलिखित लोकोक्तियों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए।
(क) आ बैल मुझे मार
(ख) अक्ल बड़ी कि भैंस
(ग) एक पंथ दो काज
(घ) कंगाली में आटा गीला
(ङ) थोथा चना बाजे घना

3. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

एक बारह वर्ष का बालक था, उसे घूमना बहुत अच्छा लगता था। उसे नई-नई चीज़ें खरीदने का भी शौक था। दीपावली के दिन उसका मन बाज़ार में घूमने को मचलने लगा, उसने माँ से ढेर सारे पैसे लिए और अपनी मन पसंद की चीजें खरीदने चल पड़ा। बाज़ार पहुँचने से पहले ही उसे एक भिखारी मिला। वह सोचने लगा ये भीख क्यों माँगते हैं? कुछ काम क्यों नहीं करते? भिखारी हाथ फैला रहा था, उसके हाथों में उंगलियाँ नहीं थी, पैरों से चल



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



नहीं सकता था तथा देख भी नहीं सकता था। बालक समझ गया कि वह भीख क्यों माँगता है। उसकी आँखें में आँसू आ गए और उसने सारे पैसे भिखारी के डिब्बे में डाल दिए।

घर लौटने पर माँ ने पूछा ''क्या सभी पैसे खर्च कर दिए?'' बालक ने उत्तर दिया 'हाँ माँ!' माँ ने पूछा, ''क्या खरीदा?'' बालक कुछ उत्तर न दे सका। माँ समझ गई कि कुछ और बात है। माँ के पूछने पर उसने सच्ची बात माँ को बताई। माँ ने उसे गले लगा लिया। वह बालक आज ''बाबा आमटे'' के नाम से जाना जाता है। इन्होंने अपना सारा जीवन कोढ़ियों की सेवा में लगा दिया।

(क) बालक कितना बड़ा था?
(*i*) दस वर्ष (*ii*) तीन वर्ष (*iii*) बारह वर्ष

(ख) बाज़ार पहुँचने से पहले ही बालक ने क्या देखा?
(*i*) अपनी पसंद की चीज़ें (*ii*) अपना मित्र (*iii*) एक भिखारी

(ग) उसे क्या शौक था?
(*i*) नई-नई चीजें खरीदने का (*ii*) घूमने का (*iii*) अपने मित्रों से बातचीत करने का

(घ) इस गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए।
(*i*) छोटा-सा बालक (*ii*) माँ और बालक (*iii*) बाबा आमटे

(ङ) 'आँख' शब्द का पर्याय है -
(*i*) नेत्र (*ii*) लोचन (*iii*) (*i*) तथा (*ii*) दोनों

---

**Module – 16**

वसंत 'एक तिनका'

1. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

मैं झिझक उठा, हुआ बेचैन-सा
लाल होकर आँख भी दुखने लगी।
मूँठ देने लोग कपड़े की लगे,
ऐंठ बेचारी दबे पाँवों भगी।

(क) कवि का नाम बताइए -
(*i*) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (*ii*) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
(*iii*) हरिवंश राय बच्चन

(ख) कवि की आँख क्यों दुख रही थी?
(*i*) तिनका गिरने के कारण (*ii*) दौड़ने के कारण (*iii*) कोई भी नहीं

(ग) इस पद्यांश से हमें क्या शिक्षा मिलती है।
(*i*) हमें अपनी आँख का ध्यान रखना चाहिए
(*ii*) हमें घमंड नहीं करना चाहिए (*iii*) हमें छत पर नहीं जाना चाहिए

(घ) आँख व कपड़ा शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए।
(*i*) नेत्र, वसन (*ii*) चीर, लोचन (*iii*) (*i*) तथा (*ii*) दोनो



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



(ङ) 'दवे पॉव' भागने की बात किसके लिए कही गई है?

(*i*) तिनका (*ii*) घमंड (*iii*) कवि

## व्याकरण 'अशुद्धि शोधन तथा अपठित पद्यांश'

1. निम्नलिखित शब्दों में सही वर्तनी वाले शब्द पर गोला लगाइए –

| | | | |
|---|---|---|---|
| (क) | परिवारिक | पारिवारिक | पारीवारीक |
| (ख) | कार्यक्रम | कार्यकरम | कार्यकर्म |
| (ग) | आर्शीवाद | आशीर्वाद | आशीवार्द |
| (घ) | ज्योत्सना | ज्योतसना | ज्योत्स्ना |
| (ङ) | रचईता | इचीयता | रचयिता |

2. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए –

(क) राम, लक्ष्मण और सीता वन को गई। (ख) मेरे को घर जाना है।

(ग) हम कल आपसे कहे थे। (घ) कृपया खाना खा लो।

(ङ) मैंने भी जाना है।

---

**Module – 17**

## संक्षिप्त महाभारत 'स्त्री पर्व'

प्र.1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त महाभारत के आधार पर दीजिए।

(क) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

(*i*) संजय ने ..... से ..... को दुर्योधन की मृत्यु का समाचार, ..... सुनाया।

(*ii*) अपने पति की मृत्यु की खबर सुनकर दुर्योधन की पत्नी ..... शोकाकुल होकर ..... हो गई।

(*iii*) ..... से मिलने जा रहे भीम को ..... ने संकेत देकर रोक दिया।

(*iv*) धृतराष्ट्र की ..... में ..... हाथियों का बल था।

(*v*) सभी मृतकों का ..... करने के पश्चात सभी लोगों ने गंगा के किनारे ..... को ..... ..... दी।

(*vi*) भीष्म ने धर्मराज को ....., राजनीति ....., आदि का ज्ञान दिया।

(*vii*) सूर्यनारायण के ..... में आते ही ..... ने देह त्याग दी।

(*viii*) श्रीकृष्ण ने ..... में जल भरकर धर्मराज का पृथ्वीपति के रूप में ..... किया।

(*ix*) 'ब्रह्माशिरा' अस्त्र के प्रभाव से ..... पैदा हुआ।

(*x*) ..... वंश का नाश देख ..... वहाँ से ..... तीर्थ चले गए। वहीं पर उन्होंने समाधि ले ली।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए –

(*i*) हिमालय की ओर जाते समय पांडवों के साथ और कौन था?



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



(*ii*) आकाशवाणी में इन्द्र ने क्या कहा ?

व्याकरण 'संवाद लेखन, पत्र व निबंध'

1. अपने छोटे भाई को 'प्रगति मैदान में लगे पुस्तक मेले के विषय में' बताते हुए पत्र लिखिए।
2. अपने पड़ोस में हुई चोरी की रिपोर्ट लिखते हुए अपने क्षेत्र के थानाध्यक्ष को पत्र लिखिए।
3 कुब्जा के विषय में राधा तथा लक्का कबूतर की क्या बात-चीत हुई होगी, उसे संवाद रूप में लिखिए।

**Module – 18**

वार्षिक परीक्षा के समस्त पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति कराई जाएगी।



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



आदर्श प्रश्न-पत्र वार्षिक परीक्षा

समय : 2 घण्टे 30 मिनट | अधिकतम अंक : 80

**निर्देश :-**

(क) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं - 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'
(ख) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
(ग) यथासंभव प्रश्नों के, उपभागों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

## खंड 'क'

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

मनुष्य सामाजिक प्राणी है। वह सभी कार्य अपने आप नहीं कर सकता। वह दूसरों की सहायता लेता है। उसे भी दूसरों की मदद करनी पड़ती है। समाज में उसे अच्छे लोगों के साथ-साथ बुरे लोग भी मिलते हैं। यदि वह अच्छे लोगों की संगति में रहेगा तो उस पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा। बुरे लोगों की संगति में बुरा प्रभाव पड़ता है। बुरे लोग स्वयं अपनी हानि करते हैं और समाज को भी नुकसान पहुँचाते हैं। मनुष्य को चाहिए कि वह अच्छे लोगों के साथ उठे-बैठे और अच्छा फल प्राप्त करें।

(क) हमें बुरे लोगों की संगति में क्यों नहीं रहना चाहिए? (1)
(*i*) वह अपने कार्य दूसरों से करवाते हैं (*ii*) बुरी संगति का बुरा प्रभाव पड़ता है
(*iii*) बुरी संगति का अच्छा प्रभाव पड़ता है

(ख) मनुष्य को दूसरे लोगों की सहायता क्यों लेनी पड़ती है? (1)
(*i*) उसे काम करना नहीं आता (*ii*) वह सभी कार्य अपने आप नहीं कर सकता
(*iii*) उसे मदद लेना अच्छा लगता है

(ग) समाज में उसे अच्छे <u>लोगों के</u> साथ-साथ बुरे लोग भी मिलते है। (रेखांकित कारक बताएँ) (1)
(*i*) संबोधन (*ii*) सबंध (*iii*) अधिकरण

(घ) अच्छे लोगों के साथ उठना-बैठना क्यों लाभदायक है? (1)
(*i*) अच्छा फल प्राप्त होता है (*ii*) अच्छा प्रभाव पड़ता है (*iii*) (*i*) ओर (*ii*) दोनो

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है - (1)
(*i*) मनुष्य एक सामाजिक प्राणी (*ii*) मानव और समाज (*iii*) हम और हमारा समाज

(च) गद्यांश से दो विशेषण शब्द लिखिए - (1)
(*i*) मनुष्य, प्राणी (*ii*) बुरे, अच्छा (*iii*) स्वयं, अपने आप

(छ) गद्यांश से दो सर्वनाम लिखिए - (1)
(*i*) वह, अपने आप (*ii*) समाज, उसे (*iii*) अच्छा, बुरा

(ज) 'प्राणी' का वर्ण-विच्छेद है - (1)
(*i*) प्+र+ण्+ई (*ii*) प्+र्+आ+ण्+ई (*iii*) प्+र्+अ+ण्+ई

(झ) बुरे लोग क्या करते हैं - (1)



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



(*i*) समाज को नुकसान पहुँचाते हैं (*ii*) अच्छा फल देते हैं
(*iii*) कोई भी नहीं

(ञ) 'सामाजिक' में प्रत्यय है – (1)
(*i*) इक (*ii*) ईक (*iii*) जिक

## खंड 'ख'

प्र.2. गर्मियों की छुट्टियों में राम देर से उठता है। इस कारण सुबह की सैर और व्यायाम के महत्व पर उसकी और दादा जी के बीच बातचीत हुई। इस बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए। (10-12 संवाद) (5)

प्र.3. डाकिए की अनियमितता और उसके दुर्व्यवहार की शिकायत करते हुए अपने क्षेत्र के डाकपाल (पोस्ट मास्टर) को पत्र लिखिए। (5)

## खंड 'ग'

प्र.4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए –

(क) घन, हार (दो-दो अनेकार्थी शब्द लिखिए) (2)

(ख) वाक्यांशों के लिए विकल्प चुनें। (2)

(*i*) जो कम खर्च करता हो।
1. मितव्ययी 2. व्ययी 3. खर्चीला 4. अपव्ययी

(*ii*) जो कभी न मरे।
1. अजर 2. अमर 3. अगर 4. अमरता

(ग) पुनर्, प (उपसर्गो से दो-दो शब्द बनाइए) (2)

(घ) निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त सही प्रत्यय छाँटिए – (2)
चिकनाहट – हट, आहट कृपालु – लु, आलु

(ङ) (*i*) बच्चा पलंग पर सोता है। (कर्म के आधार पर क्रिया के भेद लिखिए) (2)
(*ii*) नेता जी भाषण देते है। (कर्म के आधार पर क्रिया के भेद लिखिए)

प्र.5. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित अव्यय से कीजिए – (5)

(क) वह समय ..... स्टेशन पहुँचा।
(ख) घर ..... भीड़ इकट्ठी हो गई थी।
(ग) ..... वह पढ़ता ..... पास हो जाता।
(घ) ..... कितना सुंदर चित्र बनाया।

प्र.6. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए – (4)

(क) नेता जी भाषण दे रहा है। (ख) मैं आपकी श्रद्धा करता हूँ।
(ग) हम तुमसे कहे थे। (घ) मैं तेरे से नहीं बोलूँगा।



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



प्र.7. निम्नलिखित मुहावरों को वाक्यों में प्रयुक्त कीजिए – (4)

(क) कान का कच्चा होना (ख) मुँह की खाना

(ग) अपना उल्लू सीधा करना

प्र.8. निम्नलिखित लोकोक्तियों का वाक्यों में प्रयुक्त कीजिए – (4)

(क) चोर की दाढ़ी में तिनका (ख) चमड़ी जाए पर दमड़ी न आए

(ग) कंगाली में आटा गीला

## खंड 'घ'

प्र.9. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

बरसे बदरिया सावन की, सावन की मनभावन की।
सावन में उमग्यों मेरो मनवा, भनक सुनी हरि आवन की।।
उमड़ घुमड़ चहुँदिश से आया, दामिन दमकै झर लावन की।।
नन्हीं-नन्हीं बूँदन मेहा बरसे, शीतल पवन सुहावन की।।
मीरा के प्रभु गिरधर नागर, आनंद-मंगल गावन की।।

(क) कवि का नाम बताइए – (1)

(*i*) महादेवी वर्मा (*ii*) मीराबाई (*iii*) प्रेमचन्द

(ख) 'बादल' और 'बिजली' के लिए पद्यांश के ढूंढकर समानार्थी शब्द लिखिए – (1)

(*i*) बदरिया, दामिन (*ii*) पवन, सुहावन (*iii*) कोई भी नहीं

(ग) कवयित्री को सावन में किसके आने की भनक लगी? (1)

(*i*) अपने मित्र की (*ii*) माता-पिता की (*iii*) श्रीकृष्ण की

(घ) कवयित्री को सावन मनभावन क्यों लगने लगा? (1)

(*i*) श्रीकृष्ण के आने के आभास के कारण (*ii*) अपने मित्रों के कारण

(*iii*) कोई भी नहीं

(ङ) 'उमड़ घुमड़ चहुँदिश से आया' का अर्थ है – (1)

(*i*) सारी तरफ से (*ii*) चारों दिशाओं से आया(*iii*) कोई भी नहीं

(च) इस पद्यांश में किस महीने के बारे में बात की गई है? (1)

(*i*) आषाढ़ (*ii*) भादो (*iii*) सावन

प्र.10. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

इस कलह-कोलाहल से और उससे भी अधिक राधा की दूरी से बेचारे नीलकंठ की प्रसन्नता का अंत हो गया। कई बार वह जाली के घर से निकल भागा जहाँ से बहुत पुचकारकर मैंने उतारा।

(क) पाठ तथा लेखक का नाम लिखिए। (1)

(ख) इस कलह-कोलाहल का क्या कारण था? (2)

(ग) मोर की प्रसन्नता का अंत क्यों हो गया? (2)

(घ) 'प्रसन्नता' में प्रत्यय व मूल शब्द अलग कीजिए। (1)



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



प्र.11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए – (3×3=9)

(क) पढ़े हुए पद के आधार पर ब्रज की भोर का वर्णन कीजिए।

(ख) नीलकंठ चिड़ियाघर के अन्य जीव-जन्तुओं का मित्र भी था और संरक्षक भी। सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(ग) दादी की मृत्यु के बाद लेखक के घर की स्थिति खराब क्यों हो गई थी।

(घ) लाल ताऊ किस प्रकार बाकी पात्रों से भिन्न है।

प्र.12. निम्नलिखित कथनों के आशय स्पष्ट कीजिए – (2×2=4)

(क) ''दोनों नवागुंतकों ने पहले से रहने वालों में वैसा ही कुतुहल जगाया जैसा नववधू के आगमन पर होता है।''

(ख) ''परिस्थितियों का वात्याचक्र जीवन को सूखे पत्ते-सा कैसा नचाता है।''

प्र.13. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 'संक्षिप्त महाभारत' पुस्तक के आधार पर दीजिए। (1× 5 = 5)

(क) अर्जुन ने युधिष्ठिर की रक्षा के लिए किसको नियुक्त किया?

(ख) कर्ण ने किस आकृति की व्यूह रचना की?

(ग) कृष्ण व बलराम किस तीर्थ को चले गए?

(घ) युद्ध में कौन-सा अश्वत्थामा मारा गया?

(ङ) अश्वत्थामा ने कौन-सी चीज निकाल कर भीम को दी?

प्र.14. किसने, किससे कहा – (3)

(क) "धर्मराज! तुम पहली अंजली कर्ण को दो। वह तुम्हारा बड़ा भाई था।"

(ख) "हे आचार्य पुत्र! तुम अपनी मणि भीम को दे दो।"

(ग) "हम कल ही चक्रव्यूह की रचना करेंगे।"

प्र.15. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। (2)

(क) अभिमन्यु की मृत्यु का मुख्य कारण ..... था, उसका वध ..... ने किया।

(ख) द्रोणाचार्य की मृत्यु के पश्चात् ..... को सेनापति का भार सौपा गया। कर्ण ने महाराजा ..... को अपना सारथी बनाने की बात की।



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



# आदर्श प्रश्न-पत्र वार्षिक परीक्षा
## (हल सहित)

समय : 2 घण्टे 30 मिनट | अधिकतम अंक : 80

**निर्देश :-**

(क) इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं – 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'
(ख) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
(ग) यथासंभव प्रश्नों के, उपभागों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

## खंड 'क'

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

परिश्रम ऐसी साधना है जिसके द्वारा मनुष्य कठिन से कठिन कार्य कर सकता है। परिश्रमी मनुष्य के लिए संसार में कुछ भी कार्य असंभव नहीं। वह पर्वत की चोटियों पर चढ़ सकता है दुरूह रेगिस्तानों को पार कर सकता है, कठिनाइयों को झेल सकता है और कठिन परिस्थितियों में संघर्ष करके उन्हें अपने जीवन के अनुरूप बना सकता है। जिस व्यक्ति में परिश्रम का गुण है, जिसमें पुरुषार्थ की प्रवृत्ति है, वह अपने जीवन में कदापि दुःख और निराशा के झंझावातों से भयभीत नहीं हो सकता।

(क) परिश्रम को किस प्रकार की साधना माना गया है? (1)
(*i*) जो कोई न कर पाये
(*ii*) जिसके द्वारा मनुष्य कठिन से कठिन कार्य कर सकता है
(*iii*) कोई भी नहीं

(ख) परिश्रमी मनुष्य क्या कर सकता है? (1)
(*i*) वह पर्वत की चोटियों पर चढ़ सकता है (*ii*) दुरूह रेगिस्तान को पार कर सकता है
(*iii*) (*i*) और (*ii*) दोनों

(ग) पुरुषार्थी मनुष्य की निराशा में क्या प्रतिक्रिया होती है? (1)
(*i*) वह जल्द निराश हो जाता है (*ii*) वह दुख और निराशा से भयभीत नहीं होता
(*iii*) उसे हमेशा दुख मिलता है

(घ) उपर्युक्त अवतरण का उपयुक्त शीर्षक दीजिए। (1)
(*i*) परिश्रम (*ii*) परिश्रम का महत्त्व (*iii*) मैं और मेरा समाज

(ङ) 'मनुष्य' शब्द के लिए दो पर्यायवाची शब्द लिखिए। (1)
(*i*) मानव, इंसान (*ii*) नर, आदमी (*iii*) खग, इंसान

(च) 'परिश्रमी' में प्रत्यय है – (1)



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



(*i*) इ (*ii*) ई (*iii*) श्रमी

(छ) असंभव का विलोम (1)

(*i*) संभव (*ii*) संभवतः (*iii*) कोई भी नहीं

(ज) मनुष्य संघर्ष से अपना जीवन कैसा बना सकता है – (1)

(*i*) अपने अनुरूप (*ii*) दूसरे के अनुरूप (*iii*) सबके अनुरूप

(झ) गद्यांश में अव्यय शब्द हैं – (1)

(*i*) द्वारा (*ii*) कदापि (*iii*) (*i*) और (*ii*) दोनों

(ञ) गद्यांश में संज्ञा शब्द है – (1)

(*i*) मनुष्य (*ii*) परिश्रमी (*iii*) जिस

## खंड 'ख'

प्र.2. घबराया हुआ रोगी डॉक्टर के पास जाता है और अपने उपचार की बात करता है। डॉक्टर और रोगी के बीच की बातचीत लिखिए। (5)

प्र.3. पुस्तकें मँगवाने के लिए पुस्तक विक्रेता को पत्र लिखिए। (5)

## खंड 'ग'

प्र.4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए –

(क) आम, अपेक्षा (दो-दो अनेकार्थी शब्द लिखिए) (2)

(ख) वाक्यांशों के लिए विकल्प चुनें। (2)

(*i*) जो कम बोलता हो।

1. मितव्ययी 2. लघुभाषी 3. मितभाषी 4. मृदुभाषी

(*ii*) जानने की इच्छा रखने वाला।

1. इच्छुक 2. जिज्ञासु 3. ऐच्छिक 4. जिज्ञासा

(ग) अन्, दुर (उपसर्गो से दो-दो शब्द बनाइए) (2)

(घ) कठिनतर, झगड़ालु (मूल शब्द और प्रत्यय अलग- अलग कीजिए) (2)

(ङ) (*i*) छत से गेंद गिरी। (कर्म के आधार पर क्रिया के भेद लिखिए) (2)

(*ii*) अध्यापक बच्चों को पढ़ाता है। (कर्म के आधार पर क्रिया के भेद लिखिए)

प्र.5. रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित अव्यय से कीजिए – (5)

(क) वह घर ..... जा रहा था।

(ख) मन लगाकर पढ़ो ..... प्रथम आ सको।

(ग) ..... तुमने प्रथम स्थान पाया।



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



(घ) कपड़े ..... बिक रहे हैं।

(ङ) मंजू अपने चाचाजी ..... गई।

प्र.6. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए – (4)

(क) उस पर घड़ों पानी गिर गया। (ख) मामा जी वापस लौट आए है।

(ग) पुस्तक पर नहीं लिखो। (घ) मैं आपका दर्शन करने आया हूँ।

प्र.7. निम्नलिखित मुहावरों को वाक्यों में प्रयुक्त कीजिए – (3)

(क) गागर में सागर भरना (ख) चार चाँद लगाना

(ग) कान भरना

प्र.8. निम्नलिखित लोकोक्तियों के अर्थ लिखिए – (3)

(क) अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता (ख) कोयले की दलाली में मुहँ काला

(ग) थोथा चना बाजे घना

## खंड 'घ'

प्र.9. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

जब किसी ढब से निकल तिनका गया,
तब 'समझ' ने यों मुझे ताने दिए।
ऐंठता तू किसलिए इतना रहा
एक तिनका है बहुत तेरे लिए।

(क) कवि का नाम बताइए – (1)

(*i*) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' (*ii*) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

(*iii*) महादेवी वर्मा

(ख) 'समझ' शब्द से यहाँ क्या स्पष्ट होता है? (1)

(*i*) बुद्धि (*ii*) अक्ल (*iii*) (*i*) और (*ii*) दोनों

(ग) इस पद में कवि हमें क्या संदेश देना चाहता है? (1)

(*i*) छत पर न जाने की (*ii*) घमण्ड न करने का (*iii*) (*i*) और (*ii*) दोनों

(घ) 'समझ' ने कवि को क्या ताने दिए? (1)

(*i*) तिनका निकालने की (*ii*) वह किसलिए ऐंठता है(*iii*) घमण्ड करने की

(ङ) पद्यांश में सर्वनाम शब्द हैं – (1)

(*i*) मुझे (*ii*) तेरे (*iii*) (*i*) और (*ii*) दोनों

(च) कविता का नाम है – (1)

(*i*) भोर और बरखा (*ii*) एक तिनका (*iii*) हम पंछी उन्मुक्त गगन के

प्र.10. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान पूर्व पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



''रोता क्यों है रे!'' दादी माँ ने उनका माथा सहलाते हुए कहा ''मैं तो अभी हूँ ही।'' उन्होने संदूक खोलकर एक चमकती-सी चीज़ निकाली, ''तेरे दादा ने यह कंगन मुझे इसी दिन के लिए पहनाया था।'' उनका गला भर आया, ''मैंने इसे पहना नहीं इसे सहेज कर रखती आई हूँ। यह उनके वंश की निशानी है।'' उन्होंने आँसू पोंछकर कहा, ''पुराने लोग आगा-पीछा सब सोच लेते थे बेटा''

(क) पाठ तथा लेखक का नाम लिखिए। (1)
(ख) 'पुराने लोग आगा-पीछा सब सोच लेते थे' यह बात दादी माँ ने क्यों कहीं? (2)
(ग) संदूक खोलकर दादी माँ ने क्या निकाला? वह किसकी निशानी है? (1)
(घ) 'निशानी' शब्द में मूल शब्द और प्रत्यय अलग कीजिए - (1)
(ङ) 'सहेजकर' शब्द का अर्थ लिखिए - (1)

प्र.11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए - (3×3=9)
(क) मोर मोरनी के नाम किस आधार पर रखे गए?
(ख) पेड़ और खंभे में दोस्ती किस प्रकार हुई?
(ग) आँख में तिनका पड़ने के बाद घमंडी की क्या दशा हुई?
(घ) जाली के बड़े घर में पहुँचने पर मोर के बच्चों का स्वागत किस प्रकार हुआ?

प्र.12. निम्नलिखित कथनों के आशय स्पष्ट कीजिए - (2×2=4)
(क) ''पुराने लोग आगा-पीछा सब सोच लेते थे, बेटा''
(ख) ''कभी-कभी उसकी पैनी चोंच से खरगोश के बच्चों का कर्णवेध संस्कार हो जाता था।''

प्र.13. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 'संक्षिप्त महाभारत' पुस्तक के आधार पर दीजिए। (1× 5 = 5)
(क) कर्ण ने घटोत्कच पर किस शक्ति का प्रहार किया? (ख) युद्ध में कर्ण का सारथी कौन था?
(ग) दुर्योधन को छुपते हुए किसने देख लिया था? (घ) अश्वत्थामा के पास कौन सा अस्त्र था?
(ङ) अभिमन्यु व उत्तरा के पुत्र का क्या नाम था?

प्र.14. किसने, किससे कहा - (3)
(क) "युधिष्ठिर को मैं जीवित पकड़कर ला सकता हूँ परंतु तुम्हें किसी तरह अर्जुन को उससे दूर रखना होगा।"
(ख) "अभिमन्यु को मारते समय, विराट की गौओं को चुराते समय, द्रौपदी का अपमान होते समय, तुम्हारा धर्म कहाँ था?"
(ग) "हे आचार्य पुत्र! तुम अपनी मणि भीम को दे दो।"

प्र.15. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। (2)
(क) शल्य ने ..... का सारथी होना ..... कर लिया।
(ख) युधिष्ठिर ने ..... को चक्रव्यूह के बारे में बताया और उनके सिर पर ..... का मुकुट रखा।



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



## आदर्श प्रश्न–पत्र वार्षिक परीक्षा

## (हल)

### खंड 'क'

उ०1 पठित गद्यांश

उत्तर (क) परिश्रम ऐसी साधना है जिसके द्वारा कठिन से कठिन कार्य किए जा सकते हैं।

(ख) (*i*) और (*ii*) दोनों

(ग) वह दुख और निराशा से भयभीत नहीं होता

(घ) परिश्रम का महत्त्व

(ङ) मानव, इंसान

(च) ई

(छ) संभव

(ज) अपने अनुरूप

(झ) (*i*) और (*ii*) दोनों

(ञ) मनुष्य

### खंड 'ख' (लेखन)

उ०2

रोगी :– डॉक्टर साहब! डॉक्टर साहब।

डॉक्टर :– हाँ, क्या हुआ?

रोगी :– डॉक्टर साहब! देखिए कल रात मैं भला-चंगा सोया था, सुबह उठा तो शरीर बुखार से तप रहा था, सिर दर्द और बदन दर्द भी हो रहा था।

डॉक्टर :– मुहँ खोलो! पहले तुम्हारा बुखार जाँचता हूँ। (डॉक्टर रोगी का मुँह खुलवाकर थर्मामीटर लगाकर बुखार देखता है।)

डॉक्टर :– (चिंचित स्वर में) देखों, तुम्हें 104 डिग्री बुखार है।

रोगी :– (कराहते हुए) कुछ ऐसी दवा दीजिए, जिससे मैं शीघ्र ठीक हो जाऊँ।

डॉक्टर :– (इंजेक्शन लगाकर) यह दवाई दिन में तीन बार नियम से लेनी है। माथे पर ठंडे पानी की पट्टी रखनी है।

रोगी :– ठीक है डॉक्टर साहब

डॉक्टर :– खाने में भी हल्का भोजन ही लेना है। पानी उबालकर पीना।

रोगी :– मेरा बुखार शीघ्र ही ठीक हो जाएगा न! मुझे परीक्षा की तैयारी भी करनी है।

डॉक्टर :– अवश्य ठीक हो जाएगा। जाओ, घर जाकर विश्राम करना।

रोगी :– धन्यवाद, डॉक्टर साहब।

उ०3

सेवा में,
प्रबंधक, वाणी प्रकाशन
नई सड़क, दिल्ली



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



5 फरवरी, 2012

विषयः पुस्तकें मँगवाने के लिए पत्र।

महोदय,

निम्नलिखित पुस्तकें वी0 पी0 पी0 से भेजने की कृपा करें। मैं पाँच सौ रुपये का बैंक ड्राफ्ट, ड्राफ्ट संख्या 235231, दिनांक 4 फरवरी, 2012 अग्रिम राशि के रूप में भेज रहा हूँ।

| पुस्तकों के नाम | प्रतियाँ |
|---|---|
| वसंत भाग – 2 | 7 प्रतियाँ |
| अभ्यास-पुस्तिका भाग – 2 | 7 प्रतियाँ |
| सरस्वती व्याकरण | 3 प्रतियाँ |

कृपया पुस्तकें भेजने से पहले जाँच लें कि पुस्तकें कहीं से कटी-फटी न हों तथा नवीनतम संस्करण की ही हों। पुस्तकों पर उचित कमीशन देना न भूलें।

सधन्यवाद।

भवदीय
रमेश तिवारी
12-डी, विकास मार्ग,
दिल्ली।

## खंड 'ग'

उ०4

(क) आम :- फल, साधारण — अपेक्षा :- उम्मीद, तुलना में
(ख) (*i*) मितभाषी — (*ii*) जिज्ञासु
(ग) (*i*) अन् :- अनाचार, अनादि — (*ii*) दुर् :- दुर्बल, दुर्गुण
(घ) कठिनतर :- (कठिन + तर) — सर्वथा :- (सर्व + था)
(ङ) (*i*) अकर्मक क्रिया — (*ii*) सकर्मक क्रिया

उ०5

(क) के भीतर — (ख) ताकि
(ग) शाबाश — (घ) धड़ाधड़
(ङ) के यहाँ

उ०6

(क) उस पर घड़ों पानी पड़ गया। — (ख) मामा जी लौट आए हैं।
(ग) पुस्तक पर मत लिखो। — (घ) मैं आपके दर्शन करने आया हूँ।



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



उ०7

(क) गागर में सागर भरना :- उसने अपनी पुस्तक में गागर में सागर भरने की कोशिश की है।

(ख) चार चाँद लगाना :- अंतरिक्ष के क्षेत्र में भी भारतीय वैज्ञानिकों ने भारत की शान में चार चाँद लगाए।

(ग) कान भरना :- कान भरने वाले लोगों से हमेशा सावधान रहना चाहिए।

उ०8

(क) अकेला व्यक्ति कुछ नहीं कर सकता।

(ख) बुरा काम बदनामी का कारण बन जाता हैं।

(ग) अयोग्य व्यक्ति अपनी अधिक प्रशंसा किया करते हैं।

## खंड 'घ'

उ०9

उत्तर (क) कवि - अयोध्या सिंह उपध्याय 'हरिऔध' व कविता - एक तिनका

(ख) (*i*) और (*ii*) दोनों (ग) घमण्ड न करने का (घ) वह किसलिए ऐंठता है

(ङ) (*i*) और (*ii*) दोनों (च) एक तिनका

उ०10

(क) पाठ का नाम - दादी माँ लेखक का नाम- शिवप्रसाद सिहं

(ख) पुराने लोग आगा-पीछा सब सोच लेते थे। यह बात दादी माँ ने इसलिए कही क्योंकि पहले लोग अपनी संपत्ति को संभाल कर रखते थे, जिससे मुसीबत के समय में काम आ सकें।

(ग) संदूक खोलकर दादी माँ ने कंगन निकाला। वह कंगन उनके वंश की निशानी है।

(घ) निशान (मूल शब्द) ई (प्रत्यय)

(ङ) सहेजकर का अर्थ है - सँभालकर

उ०11

(क) नीलाभ ग्रीवा होने के कारण मोर का नाम नीलकंठ रखा गया और उसकी छाया के समान रहने के कारण मोरनी का नाम राधा रखा गया।

(ख) एक दिन जब आँधी के तूफान में खंभा पेड़ के ऊपर आ पड़ा। पेड़ ने जख्मी होकर भी खंभे को अपने ऊपर झेल लिया तो खंभे का भी गरुर झड़ गया व दोनों में दोस्ती हो गयी।

(ग) तिनका आँख में पड़ने के बाद घमंडी की आँख लाल होकर दुखने लगी। जब लोगों ने कपड़े से उसे निकालना भी चाहा तो उसकी सारी ऐंठ भी गायब हो गयी।

(घ) नवागंतुकों के पहुँचने पर लक्का कबूतर नाचना छोड़कर दौड़ पड़ा और उनके चारों ओर घूम-घूमकर गुटरगूँ-गुटरगूँ की रागिनी अलापने लगा। बड़े खरगोश सभ्य सभासदों के समान निरीक्षण करने लगे। ऊन की गेंद जैसे छोटे खरगोश उनके चारों ओर उछलकूद मचाने लगे। तोते मानो एक आँख बन्द करके उनका परीक्षण करने लगे।

उ०12 (क) पाठ का नाम - दादी माँ लेखक का नाम - शिवप्रसाद सिंह



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



इन पंक्तियों का आशय यह है कि पुराने लोग अपना भूत और भविष्य सोचकर अपनी संपत्ति का संचय करते थे जिससे बुरे वक्त में वे काम आ सकें। जब लेखक के पास पैसा नहीं था और वो बहुत परेशान था उस समय दादी माँ ने अपना कंगन देते समय यह बात कही।

(ख) प्रस्तुत पंक्तियाँ नीलकंठ पाठ से ली गई हैं। इन पंक्तियों में लेखिका बताती हैं कि खरगोश के बच्चों के साथ नीलकंठ खेलता था। उन्हें चोंच से ऊपर उठा लेता था परन्तु उसकी चोंच पैनी अर्थात नुकीली होने के कारण खरगोश के बच्चों के कानों में छेद हो जाता था। तब वे सावधान रहते थे और उसे क्रोधित नहीं करते थे। (हिन्दुओं में कर्ण-वेधन एक संस्कार होता है।)

उ०13 (क) कर्ण ने घटोत्कच पर अमोघ शक्ति का प्रहार किया।
(ख) युद्ध में कर्ण के साथी महाराज शल्य थे।
(ग) दुर्योधन को छुपते हुए ग्रामीणों ने देख लिया था।
(घ) अश्वत्थामा के पास ब्रह्मशिरा नाम अस्त्र था।
(ङ) अभिमन्यु व उत्तरा के पुत्र का नाम परीक्षित था।

उ०14 (क) आचार्य द्रोणाचार्य ने दुर्योधन से कहा।
(ख) अर्जुन ने कर्ण से कहा।
(ग) व्यास जी ने अश्वत्थामा से कहा।

उ०15 (क) शल्य ने कर्ण का सारथी बनना स्वीकार किया।
(ख) युधिष्ठिर ने अभिमन्यु को चक्रव्यूह के बारे में बताया और उनके सिर पर सेनापति का मुकुट रखा।



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

## अपठित गद्यांश 01

जल और मानव जीवन का घनिष्ठ संबंध है। वास्तव में जल ही जीवन है। विश्व की प्रमुख संस्कृतियों का जन्म बड़ी नदियों के किनारे ही हुआ। बचपन से ही जल की उपयोगिता, शीतलता और निर्मलता के कारण उसकी और आकर्षित होते रहे हैं, किंतु नल के नीचे नहाने और जलाशय में डुबकी लगाने में ज़मीन-आसमान का अंतर है। आज सर्वत्र हजारों व्यक्ति प्रतिदिन सागरों, नदियों और झीलों में तैरकर मनोविनोद करते हैं और साथ ही अपना शरीर भी स्वस्थ रखते हैं। स्वच्छ और शीतल जल में तैरना तन को स्फूर्ति ही नहीं, मन को शांति भी प्रदान करता है। तैराकी आनंद की वस्तु होने के साथ-साथ हमारी आवश्यकता भी है। नदियों के आस-पास गाँव के लोग सड़क-मार्ग न होने पर एक-दूसरे से तभी मिल सकते हैं जब उन्हें तैरना आता हो अथवा नदियों में नावें हों। प्राचीनकाल में आदमी को तैरकर ही नदियों को पार करना पड़ता था। तैरने के लिए आदिम मनुष्य को निश्चय ही प्रयत्न और परिश्रम करना पड़ा होगा, क्योंकि उसमें अन्य प्राणियों की तरह तैरने की जन्मजात क्षमता नहीं है। जल में मछली आदि जलजीवों को स्वच्छंद तैरते, विचरण करते देख मनुष्य ने उसी प्रकार तैरने सीखने का प्रयत्न किया और धीरे-धीरे उसने इस कार्य में इतनी निपुणता प्राप्त कर ली कि आज तैराकी एक कला के रूप में गिनी जाने लगी है।

(क) जल को लेखक क्या मानते हैं?

(*i*) अमृत (*ii*) आवश्यक तत्त्व (*iii*) जीवन (*iv*) अनिवार्यता

(ख) हम जल की ओर क्यों आकर्षित होते हैं?

(*i*) उपयोगिता (*ii*) शीतलता (*iii*) निर्मलता (*iv*) उपर्युक्त सभी

(ग) हज़ारों व्यक्ति तैरने से क्या प्राप्त करते हैं?

(*i*) स्फूर्ति (*ii*) मनोविनोद के साथ स्वास्थ्य
(*iii*) मन की शांति (*iv*) जीवन शक्ति

(घ) तैरने के लिए आदिम मनुष्य को क्या करना पड़ा होगा?

(*i*) प्रयत्न और परिश्रम (*ii*) सीखना (*iii*) क्षमता का उपयोग (*iv*) कर्म

(ङ) निम्न पदों में से कौन-सी भाववाचक संज्ञा नहीं है?

(*i*) स्फूर्ति (*ii*) शांति (*iii*) निपुणता (*iv*) तैरना

## अपठित गद्यांश 02

आज धर्म के नाम पर जो संघर्ष, कलह तथा मन-मुटाव के बीजारोपण किए जा रहे हैं वह बहुत ही निंदनीय तथा अशोभनीय हैं। आज हमारे देश में धर्म के स्थान ढोंग तथा स्वार्थ ने ले लिया है। आज हिंदू, मुसलमान, सिख तथा ईसाई के नाम पर संघर्ष कर रहे हैं। विगत सालों में पंजाब, दिल्ली, उत्तर प्रदेश तथा देश के अन्य भागों में एक धर्म तथा संप्रदाय के लोगों पर जो अत्याचार किए गए उसके घाव आज भी हरे हैं। उनका स्मरण करते ही हृदय काँप उठता है। आज मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे तथा पवित्र तीर्थ ढोंग आडंबर के केंद्र बनते जा रहे हैं। यहाँ से राजनीति से संचालन होना प्रारंभ हो गया है। मंदिर, गुरुद्वारे तथा मस्जिद, जिनमें जाने से मानव को एक आत्मिक सुख तथा संतोष का अनुभव होता था, आज मानव उनमें प्रवेश करने में भी भय तथा शंका का अनुभव करते हैं तथा अपने



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



को असुरक्षित मानते हैं। नैतिकता को पल्लवन के लिए सांप्रदायिकता तथा धर्म के नाम पर चलने वाली संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाना होगा। इसके लिए जनचेतना का विकास करना भी परम अपेक्षित है। आर्थिक असमानता को भी समाप्त करना होगा। प्रेम, भाईचारा तथा सद्भावना की भावना को फैलाने के लिए स्वयंसेवी संस्थाओं को निःस्वार्थ भाव से काम करना चाहिए। नैतिक मूल्यों की प्रतिष्ठा कानूनों से नहीं अपितु जनसहमति से ही प्रतिष्ठित की जा सकती है। धर्म के यथार्थ रूप की शिक्षा भी नागरिकों को देनी परमावश्यक है। शिक्षा को भी नैतिक मूल्यों से ओत-प्रोत करना होगा ताकि भारतीय नौजवान इस शिक्षा-दीक्षा में शिक्षा ग्रहण करके आदर्श नागरिक बन सकें। अनैतिक प्रवृत्तियों का भी मिल-जुलकर उच्छेन करना पड़ेगा।

(क) लेखक ने किसे निंदनीय और अशोभनीय माना है?

(*i*) धर्म के नाम पर संघर्ष (*ii*) धर्म के नाम पर ढोंग को
(*iii*) धर्म के नाम पर कलह
(*iv*) धर्म के नाम पर संघर्ष, कलह तथा मनमुटाव के बीजारोपण को

(ख) निम्न में से कौन-सा पद विशेषण नहीं है -

(*i*) सांप्रदायिता (*ii*) भेदभाव को जन्म देने वाले
(*iii*) नैतिक (*iv*) जातीयता के प्रतीक

(ग) आज मंदिर, मस्जिद तथा गुरुद्वारे क्या बन गए हैं?

(*i*) अंधविश्वास का केंद्र (*ii*) भेदभाव को जन्म देने वाले
(*iii*) ढोंग आडंबर के केंद्र (*iv*) जातीयता के प्रतीक

(घ) प्रेम, भाईचारा तथा सद्भावना फैलाने के लिए क्या करना होगा?

(*i*) आर्थिक असमानता को समाप्त (*ii*) धर्म पर चलने वाली संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाना
(*iii*) जनचेतना का विकास (*iv*) स्वयंसेवी संस्थाओं को निःस्वार्थ भाव से काम करना

(ङ) नैतिक मूल्यों की प्रतिष्ठता कैसे हो सकती है?

(*i*) कानून से (*ii*) शिक्षा से
(*iii*) जनसहमति से (*iv*) धर्म के यथार्थ रूप को समझने से

## अपठित गद्यांश 03

समाचार-पत्र पढ़ने से ज्ञान की वृद्धि होती है। राजनीति की उथल-पुथल, सामाजिक एवं आर्थिक प्रगति तथा विज्ञान की आधुनकिता आदि का ज्ञान हमें इन्हीं के द्वारा मिलता है। इनमें प्रकाशित विज्ञापनों के द्वारा आदेश भेजकर घर बैठे वस्तुएँ मँगवाई जा सकती हैं। नौकरियों के लिए रिक्तयों की जानकारी व योग्य वर-वधु के वचन संबंधी जानकारी भी हमें इन पत्रों से मिलती है। इन पत्रों में विज्ञापन देकर हम अपना व्यापार बढ़ा सकते हैं, परिणाम देख सकते हैं व चलचित्रों के विषय में जानकारी पा सकते हैं। इनके माध्यम से हम अपनी समस्याओं का विवरण सरकार तक पहुँचा सकते हैं। ये जनमत निर्माण व संग्रह में बड़े सहायक सिद्ध होते हैं।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

(*i*) पत्र (*ii*) पुस्तकें (*iii*) समाचार-पत्र (*iv*) चलचित्र



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



(ख) समाचार-पत्र पढ़ने के लाभ है –

(*i*) नौकरियों के लिए रिक्तियों की जानकारी (*ii*) योग्य वर-वधु के चयन संबंधी जानकारी
(*iii*) (*i*) और (*ii*) दोनों (*iv*) कोई भी नहीं

(ग) समाचार-पत्र शासक व जनता में कैसे संबंध स्थापित करते है?

(*i*) आदेश भेजकर वस्तुएँ मंगवाई जा सकती है। (*ii*) समस्याओं का विवरण सरकार तक पहुँचा सकते है।
(*iii*) ज्ञान की वृद्धि (*iv*) कोई भी नहीं

(घ) 'ज्ञान' शब्द का विलोम है –

(*i*) विज्ञान (*ii*) अज्ञान (*iii*) शिक्षा (*iv*) शिक्षित

## अपठित गद्यांश 04

शिक्षा ने नारी-जगत में क्रांति ला दी है। कल तक जो रूढ़िवादी माता-पिता अपनी कन्याओं को शिक्षा दिलाने का विरोध करते थे, आज वे स्वयं अपनी कन्याओं को शिक्षा दिलाने के लिए आतुर दिखाई देते हैं। कन्या-विद्यालयों की कमी को पूरा करने के लिए सह-शिक्षा आरंभ की गई। शिक्षा के प्रभाव से आज हम जिस नारी की कल्पना करते हैं वह प्राचीन नारी से सर्वथा भिन्न है। आज की नारी पुरुष के साथ कंधे से कंधा मिलाकर जीवन के हर क्षेत्र में पदार्पण कर चुकी है। आज की भारतीय नारी आदर्शो को न भूलकर, फैशन और आधुनिकता की चकाचौंध से दूर रहकर पावन कर्तव्यों को पूरा करने का संकल्प करना चहिए।

(क) नारी जगत में किसने क्रांति ला दी?

(*i*) आधुनिकता ने (*ii*) वस्त्र ने (*iii*) शिक्षा ने (*iv*) अशिक्षा ने

(ख) सह-शिक्षा क्यों आरंभ की गई है?

(*i*) नारियों के विरोध के कारण (*ii*) कन्या-विद्यालयों की कमी की पूर्ति के लिए
(*iii*) आधुनिकता के कारण (*iv*) कोई भी नहीं

(ग) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए –

(*i*) शिक्षा (*ii*) आधुनिक नारी (*iii*) प्राचीन नारी (*iv*) शिक्षित संसार

(घ) गद्यांश में निजवाचक सर्वनाम है –

(*i*) नारी (*ii*) माता-पिता (*iii*) स्वयं (*iv*) आदर्श



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



निम्नलिखित पद्यांशों को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

## अपठित पद्यांश 01

जन्म लेते हैं जगह में एक ही,
एक ही पौधा उन्हें है पालता।
रात में उन पर चमकता चाँद भी,
एक-ही-सी चाँदनी है डालता।।
मेघ उन पर है बरसता एक-सा,
एक-सी उन पर हवाएँ है बही।
पर सदा ही यह दिखाता है हमें,
ढंग उन के एक-से होते नहीं।।

छेद कर काँटा किसी की उँगलियाँ,
फाड़ देता है किसी का वर वसन।
फूल निज सुगंधों और निराले रंग से,
है सदा देता कली जी की खिला।।
है खटकता एक सब की आँख में,
दूसरा है सोहता सुर-शीश पर।
किस तरह कुल की बड़ाई काम दे,
जो किसी में हो बड़प्पन की कसर।।

(क) यहाँ पौधे के किन-किन अवयवों की बात हो रही है?

(*i*) फूल और फल की (*ii*) फूल और पत्तियों की
(*iii*) फूल और काँटे की (*iv*) पत्तियों और काँटे की

(ख) प्रकृति किस प्रकार दोनों को समान भाव से पालती है?

(*i*) चाँदनी सभी पर चमकती है
(*ii*) चाँदनी, मेघ और हवा दोनों को समान रूप से प्राप्त होती है
(*iii*) चाँद, बादल और वर्षा समान व्यवहार करते है (*iv*) वह उँगली को छेद देता है

(ग) काँटे की प्रवृत्ति क्या होती है?

(*i*) उसका कोई उपयोग नहीं होता (*ii*) वह सभी को आहत करता है
(*iii*) वह फूल की सुरक्षा करता है (*iv*) वह उँगली को छेद देता है

(घ) फूल सभी को क्यों प्यारा लगता है?

(*i*) उसकी कोमल पंखुड़ियों के कारण (*ii*) उसकी खुशबू और निराले रंगों के कारण
(*iii*) उसकी मधुरता के कारण (*iv*) उसकी आकर्षक छवि के कारण

(ङ) कुल की बड़ाई कब काम आती है?

(*i*) व्यवहार में बड़प्पन होने पर (*ii*) बड़प्पन का भाव रहने पर
(*iii*) स्वभाव में अहंकार होने पर (*iv*) बड़प्पन में कसर रहने पर

## अपठित पद्यांश 02

आज ठंडक अधिक है
बाहर ओले पड़ चुके हैं
कुछ दिन पहले पाला पड़ा था
अरहर कुल की कुल मर चुकी थी
हवा पहाड़ तक बेध जाती है

गेहूँ के पौधे ऐंठ खड़े है
खेतिहारों में जान नहीं
मन माने बैठे अलाव ताप रहे हैं।
ज़मींदार का सिपाही लट्ठ कंधे पर रखे
आया और लोगों को देखकर कहा,



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



"डेरे पर थानेदार आए हैं
डिप्टी साहब ने चंदा देना है
चलो, बात दे आओ।"
"डेरे पर थानेदार आए हैं"
अलाव के कुछ हटकर
लोगों के साथ कुत्ता खेतिहार का बैठा था।
चलते सिपाही को देखकर उठ खड़ा हुआ
और भौंकने लगा।
करुणा से बंधु खेतिहार को देख-देखकर
क्योंकि वह तो चुप है।

(क) इस काव्यांश में कवि ने किस प्राकृतिक आपदा का वर्णन किया है?

(*i*) गर्मी का (*ii*) पाला पड़ना (*iii*) ठंड पड़ना (*iv*) अरहर का मरना

(ख) 'हवा पहाड़ तक बेध जाती है' इस पंक्ति से कवि का क्या तात्पर्य है?

(*i*) बहुत तेज़ हवा चल रही है। (*ii*) बहुत गर्म हवा चल रही है।
(*iii*) बहुत ठंडी हवा चल रही है। (*iv*) कँपा देने वाली बहुत अधिक ठंडी हवा चल रही है।

(ग) इस काव्यांश में किस सामाजिक विपदा का वर्णन हुआ है?

(*i*) सिपाहियों के दुर्व्यवहार का (*ii*) खेतिहारों पर ज़मीदारों के प्रकोप का
(*iii*) खेतिहारों के जीवन की विपदा (*iv*) कुत्तों के जीवन की विपदा

(घ) 'क्योंकि वह तो चुप है' - से कवि किस ओर संकेत कर रहे हैं?

(*i*) कुत्ते की विवशता की ओर (*ii*) डिप्टी साहब की ओर
(*iii*) बेचारे किसानों की विवशता की ओर (*iv*) थानेदार की बेरुखी की ओर

(ङ) कुत्ता क्यों भौंकने लगा?

(*i*) सिपाही को आता देखकर (*ii*) सामने लगे अलाव को देखकर
(*iii*) अपने विवश मालिक की पीड़ा को देखकर (*iv*) डिप्टी साहब के अत्याचार को देखकर

## अपठित पद्यांश 03

जिसने मरना सीख लिया है जीने का अधिकार उसी को,
जो काँटों के पथ पर आया, फूलों का उपहार उसी को।
हँस-हँसकर इस मस्ती लेकर, जिसने सीखा है बलि होना,
अपनी पीड़ पर मुसकाना, औरों के कष्टों पर रोना।
जिसने सहना सीख लिया है, संकट है त्योहार उसी का।

(क) जीने का अधिकार किसे है?

(*i*) जिसे जीना आता है। (*ii*) जिसने मरना सीख लिया है।
(*iii*) जो सहनशील है। (*iv*) जो हँसता रहता है।

(ख) सुखों का उपहार किसे मिलता है?

(*i*) जो फूलों पर चलता है। (*ii*) जो रास्तों पर चलता है।
(*iii*) जो संकटों का सामना करता है। (*iv*) जो त्याग नहीं करता है।



Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com



(ग) सहन करना सीखने के लिए संकट क्या बन जाते हैं?
(*i*) फूल (*ii*) उपहार (*iii*) त्योहार (*iv*) जीवन

(घ) पदयांश का उपयुक्त शीर्षक चुनिए –
(*i*) उपहार (*ii*) मस्त जीवन
(*iii*) जीने का अधिकार (*iv*) जीने की कला

(ङ) 'त्योहार' शब्द का सही वर्ण-विच्छेद है।
(*i*) त्+य्+ओ+ह्+आ+र्+अ (*ii*) त्+अ+य्+ओ+ह्+आ+र्+अ
(*iii*) त्+य्+अ+ओ+ह्+आ+र्+ई (*iv*) उपर्युक्त कोई नहीं

## अपठित पद्यांश 04

इस समाधि में छिपी हुई है, एक राख की ढेरी
जलकर जिसने स्वतंत्रता की, दिव्य आरती फेरी।
यह समाधि यह लघु समाधि है, झाँसी की रानी की
अंतिम लीला स्थली यही है, लक्ष्मी मरदानी की।
यहीं कहीं पर बिखर गई वह भग्न विजय माला-सी
उसके फूल यहाँ संचित हैं, है यह स्मृति-शाला सी।

(क) यह किसकी समाधि है?
(*i*) महात्मा गांधी की (*ii*) झाँसी की रानी की
(*iii*) जवाहर लाल नेहरू की (*iv*) सुभाष चंद्र बोस की

(ख) समाधि में क्या छिपा हुआ है?
(*i*) राख की ढेरी (*ii*) शरीर (*iii*) स्मृतियाँ (*iv*) तलवार

(ग) लक्ष्मीबाई को 'मरदानी' क्यों कहा है?
(*i*) वह पुरुष वेश में लड़ती थी। (*ii*) मर्दों के समान बहादुर और साहसी थी।
(*iii*) 'मरदानी' उसका उपनाम था। (*iv*) मर्दों की तरह परदा नहीं करती थी।

(घ) लक्ष्मीबाई को क्यों याद किया जाता है?
(*i*) वीरता और पुत्र-प्रेम के लिए
(*iii*) अपने बलिदान से स्वतंत्रता की लौ जलाने के लिए।
(*ii*) मुगलों से मुकाबला करने के लिए। (*iv*) विजय प्राप्त करने के लिए।

(ङ) 'लक्ष्मी' शब्द का सही वर्ण-विच्छेद है।
(*i*) ल्+अ+क्+ष्+अ+म्+ई (*ii*) ल्+ क्+ष्+ म्+ई
(*iii*) ल्+अ+क्+ष्+म्+ई (*iv*) उपर्युक्त कोई नहीं



Downloaded from www.studiestoday.com